संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

www.ghatatighatana.com
ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 350-सोमवार 27- अक्टूबर 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

दिल्ली में प्रदूषण ने तोड़ा रिकॉर्ड

आनंद विहार में एक्यूआई 430 दर्ज...कई इलाके में छाई स्मॉग की मोटी चादर

नई दिल्ली,26 अक्टूबर 2025। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वायु गुणवत्ता खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के अनुसार आनंद विहार में एक्यूआई 430 दर्ज किया गया,जो 'गंभीर' श्रेणी में आता है। वहीं आश्रम और महारानी बाग के आस-पास के इलाके 'बहुत खराब' श्रेणी में हैं। राजधानी के कई हिस्सों में स्मॉग की मोटी चादर ने लोगों की सांस लेने की क्षमता प्रभावित की है। रविवार सुबह आनंद विहार और वजीरपुर में वायु गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज की। आनंद विहार में एक्यूआई430,वजीरपुर में 406,अशोक विहार में 369 और आईटीओ में 329रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा शहर के अन्य हिस्सों में भी वायु गुणवत्ता चिंताजनक बनी हुई है। सोलह स्टेशनों ने एक्यूआईको बहुत खराब श्रेणी (300से ऊपर) में दर्ज किया,जबकि शेष स्टेशनों में एक्यूआईखराब श्रेणी (300से नीचे) में रही। आश्रम और महारानी बाग में छाई धुंध के कारण स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बच्चों,बुजुर्गों और सांस की समस्याओं वाले लोगों को मास्क पहनने और अनावश्यक बाहर जाने से बचने की सलाह दी है। आश्रम क्षेत्र से मिली तस्वीरों में धुंध की मोटी चादर स्पष्ट दिखाई दे रही है,जिससे विजिबिलिटी कम होने और ट्रैफिक धीमा चलने की समस्या उत्पन्न हो रही है। स्थानीय लोग सांस लेने में तकलीफ और आंखों में जलन की शिकायत कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने रन फॉर यूनिटी जैसे विषयों पर की बात...

छठ महापर्व संस्कृति,प्रकृति और समाज के बीच की गहरी एकता का प्रतीक : पीएम मोदी

नई दिल्ली,26 अक्टूबर 2025। प्रधानमंत्री के रेडियो शो मन की बात के 127 वां एपिसोड टेलीकास्ट हुआ। पीएम ने छठ पूजा की शुभकामनाएं दीं और लोगों से इस उत्सव में शामिल होने की अपील की। पीएम मोदी ने मन की बात में तस्झ बचत उत्सव,सरदार पटेल की 150वीं जयंती,रन फॉर यूनिटी जैसे विषयों पर बात की। पीएम ने कहा कि इस बार त्योहारों के दौरान जीएसटी बचत उत्सव को लेकर लोगों में उत्साह नजर आया। बाजारों में स्वदेशी वस्तुओं की खरीदारी में जबरदस्त वृद्धि हुई है।

कार्यक्रम की शुरुआत... छठ पर्व को लेकर लोगों को बधाई दी...

पीएम ने कहा कि देश में त्योहारों का उल्लास है। कुछ दिन पहले दीवाली मनाई गई और अब छठ पर्व मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आप जहां भी हैं वहीं से छठ पर्व में भाग लें। पीएम ने छठ को लेकर सभी को बधाई भी दी। उन्होंने कहा कि त्योहारों के इस अवसर पर मैंने पत्र लिखकर अपनी भावनाएं साझा की थी। कई मुद्दों पर बात की थी। लोगों का इसपर मुझे जवाब मिला। ऑपरेशन सिंदूर से लोगों में गर्व है। इस बार माओवादी क्षेत्रों में दिवाली की रौनक दिखी।

7 नवंबर को राष्ट्रगीत वंदे मातरम का 150 वर्ष पूरे होंगे,यादगार बनाने की अपील की

पीएम मोदी देशवासियों से आह्वान किया कि वे 7 नवंबर को 'वंदे मातरम' के 150वें वर्ष को यादगार बनाएं। उन्होंने कहा कि यह गीत हर भारतीय के दिल में भावनाओं और गर्व का संचार करता है,इसलिए आने वाली पीढ़ियों के लिए इसकी विरासत को आगे बढ़ाना ज़रूरी है। मोदी ने कहा कि आगामी दिनों में देशभर में 'वंदे मातरम'से जुड़े कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे पूरे मन से इस आयोजन में भाग लें। प्रधानमंत्री ने यह भी याद दिलाया कि 'वंदे मातरम' पहली बार 1896 में रवींद्रनाथ टैगोर ने गाया था,और यह गीत भारत की आज़ादी की भावना का एक अहम प्रतीक रहा है।

बेंगलुरु के इंजीनियर की तारीफ की

पीएम ने कहा कि बेंगलुरु में इंजीनियर कपिल शर्मा ने 6 झीलों और 40 कुओं को साफ कर दोबारा जिंदा किया। स्वच्छता को लेकर लोगों में काफी जागरूकता देखने को मिल रही है। पीएम ने कपिल शर्मा को धन्यवाद भी कहा।

मैंग्रोव को बढ़ावा देने की अपील

समंदर के किनारे मैंग्रूव को ज्यादा से ज्यादा लगाने की पीएम ने अपील की। उन्होंने कहा कि ये मैंग्रोव हमें सुनामी और अन्य आपदाओं से बचाते हैं। अहमदाबाद के धोलेरा तट पर साढ़े तीन हजार हेक्टेयर में इसे लगाया गया। मछली पालकों को भी इससे फायदा हो रहा है। जलीय जीव में भी इससे बढ़ोत्तरी देखने को मिली। पीएम ने कहा कि मैं लोगों से अपील करता हूं कि वे भारतीय नस्ल के कुत्तों को अपनाएं।

भारत-पाकिस्तान 1971 युद्ध के हीरो गोविंद सिंह खनका का निधन

देहरादून,26 अक्टूबर 2025। पिथौरागढ़ जनपद मुख्यालय के निकट ग्यारह देवी गांव में पूर्व सैनिक गोविंद सिंह खनका का हृदय गति रूकने से निधन हो गया। वे 76 वर्ष के थे। खनका ने वर्ष 1971 के पाकिस्तान के साथ हुए युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सन 1949 में जन्मे गोविंद सिंह भारतीय सेना की आर्मी सप्लाई कोर पर 1970 पर चयनित हुए थो। 1971के भारत पाकिस्तान युद्ध में उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई थी। इसके साथ-साथ उन्होंने अति दुर्गम लेह,पंजाब,नॉर्थ ईस्ट असम,तथा जम्मू एवं कश्मीर में भी अपनी सेवाएं दी थीं। गोविंद सिंह खनका के निधन की खबर मिलते ही उनके मिलनसार स्वभाव के कारण पूर्व सैनिकों और आम जनमानस पर शोक की लहर छा गई। सामाजिक गतिविधियों में लगातार सक्रिय रहने तथा हर एक सैन्य कार्यों पर वह सक्रिय रूप से अग्रणी रहते थे। दिवंगत पूर्व सैनिक की अंतिम यात्रा में जन सैलाब उमड़ पड़ा तथा लोगों ने उन्हें अंतिम विदाई दी गई। गोविंद सिंह की असाधारण क्षमता के कारण उन्हें सेना की हैवी व्हीकल

का हीरो कहा जाता था। वह आर्मी हैवी व्हीकल कोर्स क्वालिफाइड थे। वर्ष 1985 में सेवानिवृत्ति के बाद भी उन्होंने जनपद सेना मुख्यालय के साथ कार्य करते हुए हैवी व्हीकल को चलते हुए सेना को सहयोग किया था। खनका की अंतिम यात्रा में पूर्व सैनिक संगठन की ओर से तिरंगा समर्पित करते हुए उन्हें पुष्प चक्र अर्पित कर अंतिम सलामी दी गई।पुरुष सैनिक संगठन के गुरुना क्षेत्र संयोजक कैप्टन उमेश फुलेरा ने पूर्व सैनिकों की ओर से उनके परिवार को ढांढस बंधाया और हरसंभव मदद का भरोसा दिया। कैप्टन सुंदर सिंह खड़ायत ने उन्हें पुष्प चक्र अर्पित किया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम पर कैप्टन मदन सिंह,प्रदीप खनका,भूपेंद्र पांडे, महेश चंद,भूप चंद,उमेश तिवारी, ललित सिंह, माधव सिंह सहित अनेक पूर्व सैनिक तथा आम जनमानस उपस्थित रहे।

आईपीएस का पासपोर्ट सीबीआई ने किया जब्त,डीआईजी हरचरण भुल्लर का लिंक ब्लैक मनी के बड़े नेटवर्क से जुड़ा

पंजाब,26 अक्टूबर 2025। रिश्वत केस में पकड़े पंजाब के रोपड़ रेंज के पूर्व डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर का विदेशी कनेक्शन सामने आया है। भुल्लर के ड्यूटी के दौरान ही करीबन 10बार दुबई यात्रा पर जाने की चर्चा है। सीबीआई ने भुल्लर का पासपोर्ट अपने कब्जे में लिया हुआ है। इसके माध्यम से उनके विदेश दौरों की डिटेल जुटाई जा रही है। सीबीआई के आधिकारिक सूत्रों अनुसार अब तक भुल्लर के दुबई में 2और कनाडा में 3फ्लैट का पता चला है। इसके अलावा उनके पास लुधियाना में लगभग 55एकड़ जमीन और माछीवाड़ा क्षेत्र में 20 दुकानों की जानकारी भी सीबीआई के हाथ लगी है। सीबीआई को शक है कि भुल्लर ने अपनी तैनाती के दौरान विदेशों में भी संपत्ति बनाई। सीबीआई सूत्रों का कहना है कि एजेंसी अब इन सभी संपत्तियों के सोर्स का पता लगाने में जुटी है और यह जांच भी की जा रही है कि क्या इन संपत्तियों को किसी अन्य नाम पर खरीदा गया था।

चांदी 20 हजार सस्ता हो गया...

नई दिल्ली,26 अक्टूबर 2025। बीते एक सप्ताह में जहां सोने की कीमतों में गिरावट आई है, तो वहीं चांदी का भाव भी बुरी तरह टूटा है। चांदी में लगातार तेजी का सिलसिला देखने को मिल रहा था,जिस पर पिछले सप्ताह ब्रेक लगा नजर आया। महज 7दिन में ही चांदी 20,000रुपये प्रति किलोग्राम से ज्यादा सस्ती हो गई। एमसीएक्स ही नहीं,बल्कि घरेलू मार्केट में भी सिल्वर प्राइस में तेज गिरावट देखने को मिली है. हाल ही में चांदी ने 1.70लाख रुपये का आंकड़ा पार किया था,लेकिन अब ये हाई से काफी सस्ती हो चुकी है।

जंजीरों में बंधे निर्दलीय प्रत्याशी संजय संघर्ष सिंह बोले...जनता की बेड़ियों का प्रतीक

बिहार,26 अक्टूबर 2025। बिहार में चुनावी माहौल गर्मा चुका है और सभी 243 विधानसभा सीटों पर उम्मीदवार जनता को लुभाने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक रहे हैं। इस बीच शिवहर विधानसभा का चुनाव और भी दिलचस्प बन गया है। यहाँ से निर्दलीय प्रत्याशी संजय संघर्ष सिंह ने अपने अनोखे प्रचार के अंदाज से एनडीए और महागठबंधन दोनों की नींद हराम कर दी है।

जंजीरों में बंधकर प्रचार

संजय संघर्ष सिंह ने अपने चुनाव प्रचार का तरीका ऐसा अपनाया है कि सभी की नजरें उनके ऊपर टिक गई हैं। उन्होंने खुद को गले से लेकर पैरों तक जंजीरों में जकड़ रखा है और इसी हालत में घर-घर जाकर लोगों से वोट मांग रहे हैं। उनका कहना है कि यह उनके चुनावी चिन्ह 'जंजीर' का प्रतीक है और जनता को यह दिखाने का तरीका है कि वे अपने वादों और मुद्दों के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। संजय संघर्ष सिंह का कहना है कि उनका चुनाव लड़ने का मुख्य मकसद है बागमती नदी के अदौरी खोरी पाकड़ पुल का निर्माण। उन्होंने बताया कि पिछले कई वर्षों से यह पुल निर्माण नहीं हुआ है और इसे पूरा कराने के लिए ही वे चुनाव में उतरे हैं। उनका यह भी कहना है कि जब तक पुल का निर्माण नहीं होगा,तब तक वे दाढ़ी नहीं कटवाएंगे और चुनाव लड़ते रहेंगे। संजय संघर्ष सिंह पहले भी चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार रहे हैं और उन्हें तब भी जंजीर चुनाव चिन्ह मिला था। इस बार भी उन्होंने वही प्रतीक अपनाया है और जनता के बीच जाकर अपने मुद्दे को प्रत्यक्ष रूप से दिखाया।

मोदी ने 2026 को आसियान भारत समुद्री सहयोग वर्ष घोषित किया

नई दिल्ली,26 अक्टूबर 2025। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को भारत आसियान शिखर सम्मेलन में अपने शुरुआती वक्तव्य में 21 वीं सदी को भारत और आसियान की सदी बताया। उन्होंने कहा कि भारत सदैव आसियान केंद्रित और हिंद प्रशांत पर आसियान के आउट्लुक का पूर्ण समर्थन करता रहा है। अपने वर्चुअल संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री ने 2026को आसियान भारत समुद्री सहयोग वर्ष घोषित किया। उन्होंने कहा कि इक्कीसवीं सदी हमारी सदी है,भारत और आसियान की सदी है। मुझे विश्वास है कि आसियान कम्युनिटी विज़न 2045और विकसित भारत 2047का लक्ष्य-पूरी मानवता के

लिए एक उवल भविष्य का निर्माण करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि अनिश्चितता के कठिन दौर में भी भारत और आसियान की व्यापक रणनीति की साझेदारी लगातार प्रगति कर रही है।

ये मजबूत साझेदारी वैश्विक स्थिरता और विकास का सशक्त आधार बनकर उभर रही है। उन्होंने कहा कि भारत हर आपदा में अपने आसियान मित्रों के साथ मज़बूती से खड़ा रहा है। मानव सहायता एवं आपदा राहत,समुद्री सुरक्षा और ब्लू इकोनॉमी में हमारा सहयोग तेज़ी से बढ़ रहा है। साथ ही हम एजुकेशन, टुरिज़म,साइंस एण्ड टेक्नॉलजी, हेल्थ,ग्रीन एनर्जी,और साइबर सिक्युरिटी में आपसी सहयोग को भी मजबूती से आगे बढ़ा रहे हैं। अपनी साझा सांस्कृतिक विरासत को संजोने और जन संबंधों को मजबूत करने के लिए हम साथ मिलकर काम करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि इस वर्ष की आसियान समिट की थीम इंक्लूसिविटी एंड सस्टेनेबिलिटी है। थीम हमारे साझा प्रयासों में स्पष्ट दिखती है। चाहे वो डिजिटल इन्क्लूशन हो,या फिर मौजूदा वैश्विक चुनौतियों के बीच फूड सिक्युरिटी और रिज़िल्यन्ट सप्लाइ चेन सुनिश्चित करना। भारत इन प्राथमिकताओं का पूर्ण समर्थन करता है और इस दिशा में साथ आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भारत आसियान दुनिया की एक चौथाई आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं और जनसंख्यायिकी के साथ ऐतिहासिक संबंध और साझा मूल्यों से भी जुड़े हुए हैं।

उल्फा (आई) का कैडर गिरफ्तार,भारी मात्रा में हथियार बरामद

इटानगर,26 अक्टूबर 2025। अरुणाचल प्रदेश पुलिस और असम राइफल्स के एक संयुक्त अभियान में रविवार की सुबह अरुणाचल प्रदेश के नामसाई में यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम-इंडिपेंडेंट (उल्फा-आई)के एक कैडर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए उग्रवादी की पहचान अनुपम दोहोतिया उर्फ थाउसेन आसोम के रूप में हुई है, जो असम के तिनसुकिया जिले के बारेकुरी का रहने वाला है। अधिकारियों ने बताया है कि गिरफ्तार उल्फा (आई) कैडर बीते 17 अक्टूबर

को असम के तिनसुकिया जिलांतर्गत काकोपाथर सेना शिविर पर हुए उल्फा(आई)के हालिया हमले में शामिल प्रमुख कैडरों में से एक है। सुरक्षा बलों ने उसके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया,जिसमें मुख्य रूप से एक एमक्यू राइफल,151 राउंड ज़िंदा कारतूस,एक बोतल ग्रेनेड, एक राइफल ग्रेनेड शामिल है। गिरफ्तार किए गए उग्रवादी से अभी नामसाई पुलिस पूछताछ कर रही है ताकि इलाके में उग्रवादी संगठन के संभावित लिंक और भविष्य की योजनाओं का पता लगाया जा सके। अधिकारियों ने इस अभियान को असम-अरुणाचल सीमा पर उग्रवादी गतिविधि को रोकने को लेकर चल रही कोशिशों में एक रणनीतिक सफलता बताया है।

बीमार लोगों को इलाज की सुविधा देना सरकार की पहली प्राथमिकता:राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

गाजियाबाद,26 अक्टूबर 2025। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि देश आज स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में बहुत ही तेज से विकसित हो रहा है। इसमें सरकार का योगदान भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बीमारी से लोगों का बचाव करना और उन्हें बेहतर इलाज की सुविधा देना सरकार की पहली प्राथमिकता है। सरकार इसके लिए स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर को लगातार विकसित कर रही है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु रविवार को गाजियाबाद के इंदिरापुरम में स्थित अत्याधुनिक सुविधायुक्त 1200 बेड के अस्पताल यशोदा मेडिसिटी का उद्घाटन किया। राष्ट्रपति के यहां पहुंचने पर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह,केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल,उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि हमें जानकर खुशी हुई कि यशोदा हॉस्पिटल ने कोविड दौरान बड़ी संख्या में लोगों की सेवा की और लोगों की जान बचाई। उन्होंने कहा कि मैंने जिंदगी में इस तरह के अत्याधुनिक स्वास्थ्य संस्थान पहली बार देखा है,जहां पर एक छत के नीचे सभी तरह की स्वास्थ्य सेवाएं दी जा रही हैं।

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि देश आज स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में बहुत ही तेज गति से प्रगति कर रहा है। इसके लिए सरकार का योगदान भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बीमारी से लोगों का बचाव करना और उन्हें बेहतर सुविधा देना सरकार की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सरकार इसके लिए स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर को लगातार विकसित कर रही है। मुर्मु ने कहा कि सरकार के स्वास्थ्य क्षेत्र में किए जा रहे कार्य स्वस्थ भारत और विकसित भारत में निर्णायक योगदान दे रहे हैं। स्वास्थ्य लाभ सभी का अधिकार है। और सरकार देश के सभी क्षेत्र में अच्छी स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध करवा रही है। उन्होंने कहा कि हमें ध्यान रखना चाहिए कि गुणवत्ता से भरे स्वास्थ्य सेवा से कोई भी देशवासी वंचित न हो। उन्होंने देश के सभी स्वास्थ्य संस्थानों से अपील किया कि वे इसमें अमूल्य योगदान दें। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि यशोदा मेडिसिटी भी स्वास्थ्य क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देगी। उन्होंने कहा कि बहुत संख्या मे गरीब लोग देश में रहते हैं। उनको भी स्वास्थ्य सेवाएं मिलनी चाहिए।

विकसित देशों की श्रेणी में आने के लिए हर नागरिक को स्वस्थ रहना जरूरी : राजनाथ सिंह

समारोह में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश की स्वास्थ्य व्यवस्था ने एक नया रूप लिया है। पहले स्वास्थ्य गरीबों के लिए चिंता का विषय होता था, वही आज हर व्यक्ति को उपचार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत के माध्यम से देश के 10 करोड़ परिवारों को हर वर्ष 5 लाख रुपये स्वास्थ्य बीमा का कवच दिया गया है। 70 वर्ष से अधिक उम्र के सभी वरिष्ठ नागरिकों को इसमें शामिल किया गया है। क्योंकि इस पड़ाव में उन्हें देखभाल की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। ऐसे में सरकार एक संरक्षक के रूप में उसके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जन औषधि योजना के माध्यम से लोगों को सस्ती दवांए मुहैया कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि मेडिकल की पढ़ाई के क्षेत्र में भारी संख्या मे सीटें बढ़ाई गई हैं। देश में 22 एम्स बनाए गए हैं,जिनमे 12 एम्स पूरी तरह से कार्यरत हैं।

आठ वर्ष में उत्तर प्रदेश में 42 मेडिकल कॉलेज बनाए गए : योगी

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यशोदा मेडिसिटी एक विश्व स्तर की हेल्थ सिटी है। इससे बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार भी मिलेगा। यशोदा मेडिसिटी में विश्व स्तर के कैंसर रोग के इलाज की व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि विगत 8वर्षों में उत्तर प्रदेश में 42 मेडिकल कॉलेज बनाए गए हैं। दो एम्स बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि सुपर स्पेशलिटी के कई नए संस्थान उत्तर प्रदेश में स्थापित हुए हैं,जिनके माध्यम से उत्तर प्रदेश के 25 करोड़ नागरिकों को बेहतरीन स्वस्थ सेवा उपलब्ध हो रही है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार के प्रयास से हेल्थ केयर में एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के तहत निजी क्षेत्र के अस्पताल काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि धर्म के जितने भी साधन है,जीवन के जितने भी उद्देश्य हैं, एक स्वस्थ्य शरीर से ही संपन्न हो सकते हैं। स्वस्थ्य शरीर के लिए स्वास्थ्य की बेहतरीन सुविधाएं आवश्यक है। यशोदा मेडिसिटी ऐसे सभी लोगों के लिए वरदान साबित होगाए जो लोग बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधा के लिए भटकते थे। उन्होंने कहा कि यशोदा मेडिसिटी के चेयरमैन डॉक्टर पीएन अरोड़ा का व्यवहार हर किसी को अपनी तरफ आकर्षित करता है। उन्होंने कहा कि चाहे किसी के पास पैसा हो या ना हो पीएन अरोड़ा हर किसी का उपचार करते हैं।

जेडीयू बाहुबली अनंत सिंह का मंच टूटा,नीचे गिरे

तेजस्वी बोले...नीतीश चाचा पलटी मारकर भाजपा में गए,हमारी सरकार वक्फ बिल कूड़े में फेंकेगी

नई दिल्ली,26 अक्टूबर 2025। बिहार चुनाव में एनडीए और I.N.D.I.A. गठबंधन के उम्मीदवारों के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने रविवार को कटिहार में जनसभा की। इस दौरान उन्होंने नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए कहा... नीतीश चाचा पलटी मारकर भाजपा में चले गए। तेजस्वी बोले... बीजेपी को अगर बिहार में किसी ने जगह दी तो वह नीतीश कुमार हैं। हम लोगों ने कभी भी घुटने नहीं टेके। सत्ता में आने पर हमारी सरकार मुस्लिमों की मर्जी के खिलाफ लाए गए वक्फ बिल को कूड़ेदान में फेंक देगी। इससे पहले पटना में भी तेजस्वी ने पंचायत प्रतिनिधियों,PDS डीलर, नाई, कुम्हार,लोहार समाज के लोगों के लिए भी कई घोषणाएं की। तेजस्वी ने वादा किया कि पंचायत प्रतिनिधियों का मानदेय दोगुना किया जाएगा। इधर, शनिवार को रामपुर-डूमरा गांव में सभा को संबोधित करने पहुंचे अनंत सिंह का मंच टूट गया। अनंत सिंह समेत मंच पर मौजूद सभी लोग नीचे गिर पड़े। अनंत जदयू की टिकट पर मोकामा से चुनाव लड़ रहे हैं। केंद्रीय मंत्री और भाजपा चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि मखाना बोर्ड जैसी व्यवस्थाओं की स्थापना करके प्रधानमंत्री ने बिहार की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति दी है। बिहार सरकार ने भारत सरकार की इथेनॉल नीति को लागू किया है। बिहार में नए प्रकार के औद्योगीकरण की शुरुआत हुई है। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कहा कि मुसलमान भाजपा को सत्ता से बेदखल करने के लिए विपक्ष को मजबूत करने पर मजबूर हैं। भारत की जिम्मेदारी है कि मुसलमान जिस मजबूती से उनके साथ खड़े हैं, उसका सम्मान करे। उन्होंने कहा कि बिहार में किसी मुसलमान को उपमुख्यमंत्री जरूर बनना चाहिए। उनके पास 19प्रतिशत वोट हैं। इसे कैसे नज़र-अंदाज़ किया जा सकता है? गृह मंत्री अमित शाह की रैली पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज़ हुसैन ने कहा कि अमित शाह ने बिहार के लोगों को जंगल राज पार्ट 2का समर्थन करने वालों से सावधान रहने की चेतावनी दी है।

तेजस्वी यादव के बयानों पर चिराग पासवना बोले... उन्होंने बिहार बर्बाद किया

तेजस्वी यादव के बयानों पर चिराग पासवान बोले... 15सालों में जिस तरह से आपने,आपके परिवार ने और आपकी सरकार ने बिहार को बर्बाद करने का काम किया है,यही वजह है कि बिहार ने आपको कभी नहीं चुना। लेकिन हां,अगर आप किसी जुगाड़ से सरकार बना लेते हैं और समर्थन जुटा लेते हैं,तो अलग बात है। उन्होंने कहा कि जनता ने आपको कभी दूसरा मौका नहीं दिया। 2020में जब उन्होंने कहा कि वे बड़ी पार्टी हैं,तो ऐसा इसलिए था क्योंकि एनडीए में एकता नहीं थी। हम अलग-अलग चुनाव लड़ रहे थे।

संपादकीय

दवा उद्योग नहीं,जन स्वास्थ्य को मिले प्राथमिकता

मानदंड तो मौजूद हैं,उन्हें और अधिक कठोर बनाने के लिए संशोधित भी किया जाता है,लेकिन उन्हें लागू करने की कोई इच्छाशक्ति नहीं है। केंद्रीय और राज्य औषधि नियंत्रण प्राधिकरण,जिनके जिम्मे मानदंड लागू करवाने का काम है, कर्मचारियों की कमी से जूझ रहे हैं या जानबूझकर कर्मचारियों की कमी बना रखी है। ज़हरीले औद्योगिक रसायन की मौजूदगी वाले कफ़ सिरप के सेवन से काफी तादाद में हुई बच्चों की मौतें भारत की नाकाम दवा नियंत्रण एवं नियामक प्रणाणी पर फिर से ध्यान खींचती हैं। हाल के वर्षों में,स्वदेश और विदेशों में भी,भारत निर्मित दवाओं से जुड़ी ऐसी कई दुखद घटनाएं हुई हैं। हर बार,हमारी प्रतिक्रिया एक जैसी होती है। मौतों का ज़िम्मेदार विषाक्त या घटिया दवाओं को ठहराया जाता है,राज्य और केंद्र सरकारों द्वारा जांच की रस्म निभाई जाती है,कुछ छिटपुट उत्पादन इकाइयों पर छापे मारे जाते हैं,नियमों का सही ढंग से पालन न करने की रिपोर्ट आती है,कुछेक इकाइयों के उत्पाद लाइसेंस निलंबित कर दिए जाते हैं,स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा राज्यों को नियामक मानदंडों को 'सख्ती से' लागू करवाने का निर्देश दिया जाता है। फिर जल्द ही 'पहले जैसा क्रियाकलाप' शुरू हो जाता है। किसी पर कोई कार्रवाई नहीं होती, नियम जस के तस,दवा नियामक निकायों में रिक्त पदों को नहीं भरा जाता,किसी भी दोषी इकाई को स्थायी रूप से बंद नहीं किया जाता, और पिछली घटनाओं की जांच के निष्कर्षों को साझा करने की कोई ज़हमत नहीं उठाता। कफ़ सिरप को जहरीला बनाने वाले कारक अब सर्वविदित हैं डाईइथालिन ग्लाइकॉल और इथाईलिन ग्लाइकॉल। इन दोनों जहरीले रसायनों के विषाक्त प्रभावों में पेटदर्द, उल्टी,दस्त,पेशाब करने में असमर्थता,सिरदर्द,मानसिक स्थिति में बदलाव और गुर्दे को गंभीर आघात शामिल हैं, जिससे मौत भी हो सकती है। ऐसा प्रतीत होता है कि कफ़ सिरप बनाते समय,खासकर प्रोपाइलिन ग्लाइकॉल और पॉलीइथाइलिन ग्लाइकॉल जैसे घटकों का उपयोग करने वाले सिरपों में,डाईइथालिन ग्लाइकॉल और इथाईलिन ग्लाइकॉलर रसायनों का उपयोग मिलते जुलते नामों में गफलत होने से हो जाता है। गाम्बिया,उज़्बेकिस्तान,कैमरून,इराक और अन्य देशों में 'भारत में निर्मित' उत्पादों के सेवन से दर्जनों बच्चों की मौत के बाद,विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वहां के राष्ट्रीय नियामकों और स्वास्थ्य अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि उनके देशों में ऐसे उत्पाद पाए जाते हैं,तो उसकी सूचना दें। एजेंसी ने राष्ट्रीय अधिकारियों को दवाओं के उपयोग से पहले उनकी उत्पादन सामग्री में डाईइथाइलिन ग्लाइकॉल की उपस्थिति की जांच करने की सलाह दी है। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा में कफ सिरप से हुई मौतों के लिए भी यही डाईइथाइलिन ग्लाईकॉल जिम्मेदार है। रंज होता है कि कफ़ सिरप निर्माता इतने लापरवाह हैं कि उनके उत्पाद की सामग्री में घातक विषाक्त पदार्थ का उपयोग हो जाए। नि:संदेह,वे अनिवार्य शर्त यानी 'गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेज' (जीएमपी) नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। अब या तो वे जीएमपी का पालन नहीं कर रहे या सरकार ने उन्हें लंबी रस्सी दे रखी है? जहरीली दवाओं से होने वाली हर मौत के बाद,जीएमपी लागू करने या उसे और सख्त बनाने की बात होती है। लेकिन जैसे ही अमल होने लगता है,लघु एवं मध्यम दवा निर्माताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले उद्योग संघ जीएमपी नियमों को लागू करने के लिए समय मांगते हैं या उनमें ढील देने की मांग करते हैं,यह बहाना बनाते हैं कि उनके पास मानदंडों को लागू करने लायक क्षमता नहीं है। सरकार भी इसलिए सहानुभूति रखती है,क्योंकि नियमों का सख्ती से पालन या अनुपालन न करने वाली इकाइयों के बंद होने पर उसके 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम को धक्का लग सकता है।

विकास केवल गगनचुंबी इमारतों में नहीं बल्कि बूढ़े माता-पिता की मुस्कान में छिपा है

डॉ. मुश्ताक अहमद शाह

अपना ही दांत जब अपनी जुबान को काट लेता है तो दर्द केवल शारीरिक नहीं होता, वह एक चेतावनी भी बन जाता है कि हर निकटता में एक खतरा छिपा होता है,और यदि संयम व समझ न रहे तो वही संबंध घाव का कारण बन सकते हैं,कुछ ऐसा ही आज हमारे घरों और रिश्तों की हालत है,जहाँ अपनों से ही दर्द मिलने लगा है,जहाँ बाप का शब्द बेटे को भारी लगता है और माँ की नसीहत बोझ,जहाँ संवाद की जगह चुप्पी ने ले ली है और गर्व जिसे हम घमंड की संज्ञा दें तो अतिशयोक्ति नहीं होगी,जिसने उस घर को राख कर दिया है जो कभी मोहब्बत की शरणस्थली हुआ करता था,ये नया युग बड़ी उन्नति का दावा करता है लेकिन इस प्रगति ने हमारी संवेदनाओं को इतना सिकोड़ दिया है कि रिश्ते अब जिम्मेदारी नहीं,बल्कि बाधा लगने लगे हैं,बुजुर्ग माता-पिता जो कभी घर के दीपक और दिशा थे,अब आज की पीढ़ी की नज़रों में एक वेस्टेज आइटम बनकर रह गए हैं, बड़े बुजुर्गों का अनुभव अब ज्ञान नहीं,बल्कि पुराने ज़माने की बात बन चुका है,उनके चेहरे पर झुर्रियों में उत्कीर्ण संघर्ष की कहानियाँ अब किसी को आकर्षित नहीं करतीं,हम भूल गए हैं कि यही हाथ कभी हमें चलना सिखाते थे,यही कांपती आवाज़ कभी हमारी सफलता की दुआ होती थी,पर आज वह आवाज़ घर के कोने में दबकर रह जाती है,क्योंकि मोबाइल की रौशनी ने अब माता-पिता की निगाहों की ऊष्मा को छीन लिया है,अब खाना मेज़ पर सर्व नहीं होता स्क्रीन पर देखा जाता है, और घर-घर नहीं,महज़ एक साझा पते की तरह रह गया है जहाँ सब अपने-अपने खोलों में जी रहे हैं,जब घर की दीवारें परिवार को जोड़ने की बजाय अलग करने लगें,तो समझ लीजिए कि गिरावट सिर्फ आर्थिक नहीं भावनात्मक भी है,रिश्तों की गरिमा अब तार-तार होती दिखाई देती है,लोग एक-दूसरे से नहीं बल्कि एक-दूसरे के चलते दुःख पा रहे हैं, हम हर सफलता का जश्न ऊँची आवाज़ में मनाते हैं लेकिन अपने माता-पिता की ज़रूरतों को पूरी खामोशी में अनदेखा कर देते हैं,यह कैसी आज़ादी है जो अपने ही जन्मदाता के आँसुओं के बदले हासिल की जा रही है,यह कैसी आधुनिकता है जो संस्कारों को पुरातनता मानकर त्याग रही है,क्या बुद्धिमत्ता और संवेदना अब दो अलग दिशाओं में चलने वाले रास्ते बन चुके हैं? हम अपने बच्चों को टेक्नोलॉजी की भाषा सिखा रहे हैं,पर रिश्तों की भाषा उनसे छिनती जा रही है,यह स्थिति केवल कसूरवार युवा पीढ़ी की नहीं है,यह असफलता पूरे समाज की है जिसने मूल्य शिक्षा को गैर-ज़रूरी माना,जिसने ग्लोबल रेस में मानवीयता को हाशिए पर धकेल दिया,जिसने यह सोच लिया कि प्यार भी अब 'समय मिलने' तक सीमित रह सकता है, हमारे घर अब भावनाओं के मंदिर नहीं,प्रतियोगिता की प्रयोगशालाएँ बन गए हैं,जहाँ यह देखा जाता है कि कौन कितना बेहतर साबित हो सकता है, न कि कौन कितना अपना है,रिश्तों के टूटने की सबसे बड़ी वजह यह है कि हमने 'सुनने' की शक्ति खो दी है,हर कोई अपनी बातें कहता है,पर किसी की बात को समझने की कोशिश नहीं करता,जब शब्दों के बीच भावनाएँ मरने लगती हैं,तो घर का उजाला धीरे-धीरे मद्धम पड़ने लगता है,पहले कहा जाता था 'घर दीवारों से नहीं,रिश्तों से बनता है' लेकिन अब वे दीवारें भी थक चुकी हैं हर रोज़ की बहसों,आरोपों और शिकायतों से हमने खुद के भीतर की गर्माहट को ठंडे तर्कों से बदल दिया है और परिणामस्वरूप घरों में रिश्ते नहीं केवल रूटीन बचा है,यह एक ऐसा युग है जहाँ माता-पिता बच्चों के लिए बोझ हैं और बच्चे उनके लिए चिंता,संवाद की डोर इतनी कमजोर हो चुकी है कि छोटी असहमति भी अब टूट का कारण बन जाती है।

भारत त्योहारों का देश है,परंतु छठ महापर्व केवल त्योहार नहीं बल्कि आस्था,अनुशासन और आत्मशुद्धि का महासंगम है...

कमलेश झा
भागलपुर बिहार

यह पर्व उस लोकश्रद्धा का प्रतीक है जिसमें मनुष्य प्रकृति और ईश्वर से सीधा संवाद करता है– बिना किसी आडंबर,बिना किसी वेद मंत्र,और कर्मकांड के,छठ में न कोई दिखावा है,न कोई बाहरी वैभव सिर्फ़ सच्ची श्रद्धा,संयम और कृतज्ञता का भाव है। यही कारण है कि इसे लोक-आस्था का सबसे पवित्र पर्व कहा जाता है।

आस्था का अर्थ भीतर का सूर्य जगाना

छठ में हम सूर्य देव की उपासना करते हैं, परंतु यह पूजा केवल बाहरी सूर्य की नहीं – यह हमारे भीतर के आलोक को जगाने की साधना है। जब हम जल में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देते हैं,तो वस्तुतः हम अपनी आत्मा से यह कहते हैं–

हे प्रभु! मेरे भीतर
की अंधकार मिटा दो,
मेरे जीवन में सूर्य
जैसा उजियारा भर दो।

आस्था वही है जो अनिश्चितता में भी विश्वास बनाए रखे। छठ यही सिखाता है कि भले ही परिस्थितियाँ कठोर हों,पर श्रद्धा कभी नहीं टूटनी चाहिए।

छठ का अनुशासन तप और त्याग की मिसाल

छठ व्रत कोई साधारण उपवास नहीं है;यह शरीर,मन और आत्मा की कठोर साधना है। चार दिनों तक व्रती न केवल भोजन-जल का त्याग करते हैं,बल्कि अपने विचारों और कर्मों को भी शुद्ध करते हैं। नहाय-खाय से लेकर पारण तक,हर चरण में एक गहरा आध्यात्मिक अनुशासन निहित है- जो सिखाता है कि व्रत केवल पेट का नहीं,आत्मशुद्धि का साधन होता है। यह पर्व हर व्यक्ति को संयम,सेवा और समर्पण का संदेश देता है।

अस्त और उदय दोनों में सूर्य एक ही है...

छठ हमें यह गूढ़ संदेश देता है कि जीवन के दोनों चरण–सफलता और संघर्ष,हर्ष और विषाद–समान रूप से स्वीकार्य हैं। क्योंकि सूर्य चाहे अस्त हो या उदय,उसका तेज,उसका सत्य,उसका अस्तित्व नहीं मिटता। सामूहिक आस्था–एकता और समानता का प्रतीक छठ घाट पर जब हजारों लोग एक साथ खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देते हैं,तो वहां न कोई अमीर है,न गरीब;न कोई ऊँच,न नीच। सभी एक ही जल में,एक ही सूर्य के सामने एक ही आस्था से लीन होते हैं।यह दृश्य भारत की आत्मा को दर्शाता है–विविधता में एकता,और एकता में श्रद्धा। छठ में न केवल व्रती की,बल्कि पूरे परिवार और समाज की आस्था जुड़ी होती है। माँ व्रत करती है,तो बच्चे प्रसाद बनाते हैं,पुरुष घाट सजाते हैं,और पूरा गाँव एक परिवार बन जाता है।

सूर्योपासना-विज्ञान और विश्वास का संगम

छठ की पूजा में सूर्य को दिया गया अर्घ्य विज्ञान और अध्यात्म का अद्भुत मेल है। सूर्य जीवन का आधार है– उससे ऊर्जा,प्रकाश और जीवन की लय मिलती है। सूर्य की किरणें जब जल के माध्यम से शरीर को स्पर्श करती हैं,तो यह केवल धार्मिक क्रिया नहीं,बल्कि ऊर्जा और सकारात्मकता का वैज्ञानिक स्नान होता है।

हमारी आस्था का सार कृतज्ञता और समर्पण

छठ सिखाता है कि ईश्वर से माँगने से पहले धन्यवाद देना सीखो। हम अस्त होते सूर्य को भी नमन करते हैं,क्योंकि आस्था केवल उगते सूरज की नहीं होती सच्ची भक्ति वही है जो हर परिस्थिति में श्रद्धा बनाए रखे।

लोक और लोकात्मा का पर्व

छठ में न कोई जाति है,न वर्ग,न ऊँच-नीच। सब एक ही घाट पर,एक ही जल में,एक ही सूर्य के समक्ष व्रत,आराधना और समर्पण का भाव लेकर खड़े होते हैं। यही इसे लोकसंघटन और एकता का पर्व बनाता है।

छठ हमारी पहचान है

छठ महापर्व केवल बिहार या पूर्वांचल का नहीं,बल्कि पूरे भारत की आत्मा की अभिव्यक्ति है। यह पर्व हमें यह सिखाता है कि जहाँ श्रद्धा है,वहाँ शक्ति है जहाँ विश्वास है,वहाँ प्रकाश है– और जहाँ छठ है,वहाँ अंधकार टिक ही नहीं सकता।

आस्था का यह आलोक हमारे जीवन को सदा प्रकाशित रखे।
जय छठी मइया! जय आदित्यदेव!

मानवता के महान पुजारी-गणेश शंकर विद्यार्थी

अंजनी सक्सेना

निष्पक्ष मानवीयता, समानता और स्वतंत्रता के आदर्शों पर चलते हुए कर्तव्य के पथ पर प्राणों की आहूति देने वाले गिने चुने भारतीयों में गणेश शंकर विद्यार्थी का नाम आदर और सम्मान के साथ लिया जाता है। श्री विद्यार्थी ने सिद्धांतों की राह पर चलते हुए अपने प्राणों का उत्सर्ग करके यह सिद्ध कर दिया कि पत्रकार और साहित्यकार केवल लिखते ही नहीं है बल्कि शहीद भी होते हैं। शहादत की बलिवेदी पर सम्मान के साथ चढ़ने वाले विद्यार्थी जी के जीवन का प्रत्येक पल न केवल अनुकरणीय है,बल्कि ऐसे लोगों के लिए सबक भी है जो समाज में वैमनस्य उत्पन्न करने का कार्य करते हैं। स्वतंत्रता आंदोलन की उत्तर भारत के घर-घर में अलख जगाने वाले अमर शहीद पत्रकार गणेश शंकर विद्यार्थी जितने करीब अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधी के थे उतने ही वे भारत के महान क्रांतिकारी भगतसिंह के लिए भी अनुकरणीय थे। भगतसिंह विद्यार्थी जी को अपना गुरू मानते थे। सच तो यह है कि विद्यार्थी जी के लेखों एवं स्वतंत्रता आंदोलन के विभिन्न कार्यक्रमों के प्रस्तुतिकरण ने पंजाब सहित उत्तर भारत में अनेक युवाओं को स्वतंत्रता आंदोलन का सेनानी बनने की प्रेरणा दी। देश को स्वतंत्रता दिलाने और राष्ट्रीय एकता को कायम रखने के लिये प्राणों का उत्सर्ग करने वाले पत्रकार गणेश शंकर विद्यार्थी का जन्म इलाहाबाद में 25 अक्टूबर 1890 को अपने नाना मुंशी सूरज प्रसाद के यहां हुआ था। विद्यार्थी जी के पिता जय नारायण श्रीवास्तव तत्कालीन ग्वालियर रियासत में एंग्लो वर्नाकुलर स्कूल में शिक्षक थे। वे मुंगावली नामक स्थान पर पदस्थ थे जो अब मध्यप्रदेश के गुना जिले की एक तहसील है। विद्यार्थी जी की प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा तत्कालीन भेलसा (अब विदिशा) में हुई। यहां उन्होंने मिडिल की परीक्षा पास की। बाद में उनके पिता का तबादला पुनः मुंगावली हो गया और विद्यार्थी जी आगे की शिक्षा के लिए इलाहाबाद एवं कानपुर चले गए। बचपन से ही पढ़ने के शौकीन विद्यार्थी जी की इस रूचि को इलाहाबाद और कानपुर में भरपूर पोषण मिला। आर्थिक परेशानियों के चलते यहां विद्यार्थी जी अपने कॉलेज की शिक्षा पूरी नहीं कर सके और जीविकोपार्जन के लिए नौकरी करने लगे। सरस्वती के पुजारी को शायद लक्ष्मी के साथ रहना रास न आया और वे सरकारी नोटों के बीच सरस्वती साधना करते रहे। इसी कारण उन्हें यह नौकरी छोड़ना पड़ी। इसी बीच विद्यार्थी जी का संपर्क पं. सुंदरलाल से हुआ जो उस समय कर्मयोगी नामक साप्ताहिक समाचार पत्र निकाला करते थे। तब उर्दू साप्ताहिक स्वराज्य के संपादक शिवनारायण भटनागर से भी विद्यार्थी जी की मित्रता कायम हो चुकी थी। उन दिनों इन दोनों ही अखबारों के तेवर काफी उग्र माने जाते थे। उर्दू स्वराज्य के संपादकों को ढाई वर्षों में ही 125 साल की सजा सुनाई जा चुकी थी। पं. सुंदरलाल और शिवनारायण भटनागर के साथ विद्यार्थी जी ने भी इन दोनों पत्रों में अपनी क्रांतिकारी लेखनी का परिचय दिया। लेकिन विद्यार्थी जैसे यायावर लेखक का तो जैसे यहां भी ठहरना प्रकृति को मंजूर नहीं था सो उनके एक लेख आत्मोत्सर्ग से प्रभावित होकर आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने उन्हें अपनी पत्रिका सरस्वती में कार्य करने के के लिए बुला लिया। तत्कालीन साहित्यिक पत्रिकाओं में श्रेष्ठतम मानी जाने वाली पत्रिका सरस्वती में विद्यार्थी जी ने साहित्य का तो रसास्वादन किया परंतु उनके क्रांतिकारी मन को इससे संतोष न मिल सका और उन्होंने पद्मकांत मालवीय के अभ्युदय नामक साप्ताहिक में अपने विचारों का प्रसार करना प्रारंभ कर दिया।

इसके बाद अपने विचारों को व्यापक रूप देने के लिए विद्यार्थी जी ने काशीनाथ के साथ मिलकर प्रताप नामक साप्ताहिक समाचार-पत्र का प्रकाशन शुरू किया। इस समाचार पत्र ने स्वतंत्रता आंदोलन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा हजारों नौजवानों को आजादी की लड़ाई लड़ने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थी जी के मन में देश प्रेम कितना कूट-कूट कर भरा था। इसका अंदाज इसी बात से लगाया जाता है कि वे प्रताप के मुख पृष्ठ पर आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी की निम्न पंक्तियां छापते थे- जिसको न निज गौरव न निज देश का अभिमान है। वह नर-नहीं,नर पशु निरा,और मृतक समान है। विद्यार्थी जी के नेतृत्व में प्रताप ऐसा समाचार पत्र बन गया था जो लोगों को स्वतंत्रता आंदोलन की गतिविधियों की जानकारी देता था। प्रताप ने जहां गांधी जी द्वारा किए जा रहे अहिंसक संघर्ष की व्यापक कवरेज की,वहीं काकोरी के मुकदमें और बाद में सुखदेव,राजगुरू और भगतसिंह को फांसी के मुद्दे को भी प्रमुखता से प्रकाशित किया। उत्तर भारत में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के विचारों एवं पं. सुंदरलाल और विद्यार्थी जी के विचारोत्तेजेक लेखों से मात्र सात वर्ष में ही साप्ताहिक प्रताप एक दैनिक में परिवर्तित हो गया। विद्यार्थी जी ने प्रताप के पहले अंक से ही क्रांति का बिगुल फूंकना प्रारंभ कर दिया था। वैसे विद्यार्थी जी ने अपने पहले ही संपादकीय में स्पष्ट कर दिया था संपूर्ण मानव जाति का कल्याण हमारा प्रथम उद्देश्य है। मानव जाति के कल्याण के लिए विद्यार्थी जी सतत प्रयत्नशील रहे। इसी सिलसिले में उन्होंने लिखा था मैं स्वतंत्रता संग्राम का पक्षपाती हूं। समस्त सत्ताओं का विरोधी हूं चाहे वह नौकरशाहों की हो या जमींदारों की, धनवानों की हो या ऊंची जातियों की। उस समय अंग्रेज सत्ता पर काबिज थे और उनकी दमन पूर्ण नीतियों से सभी त्रस्त थे। विद्यार्थी जी ने अंग्रेजों की इन नीतियों का डटकर विरोध किया,फलस्वरूप प्रताप अंग्रेजों को खटकने लगा। बदला लेने में माहिर अंग्रेजों ने विद्यार्थी जी को पांच बार जेल यात्राएं भी करायीं। फिर भी विद्यार्थी जी अपने कर्तव्य पथ से विचलित नहीं हुए। गांधीजी ने जब चम्पारन जिले में पहली,बार अहिंसक संघर्ष का सूत्रपात किया तो सबसे पहले यह खबर विद्यार्थी जी के प्रताप में ही छपी और उत्तर भारत में शांति के पुजारी के रूप में उनकी पहचान बनी। वहीं दूसरी ओर 1926 में काकोरी ट्रेन डकैती के मामले में कांग्रेस के बड़े नेताओं का विरोध करते हुए विद्यार्थी जी ने इस मामले को विस्तार पूर्वक उठाया। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान प्रताप प्रेस क्रांतिकारियों के घर का भी काम करता था। बटुकेश्वर दत्त,विनयकुमार सिन्हा, शचींद्र नाथ,अशफ़ाक़ उल्लाह खां सहित अनेक क्रांतिकारी प्रताप से जुड़े रहे। सरदार भगतसिंह के भी कई विचारोत्तेजक लेख विद्यार्थी जी ने प्रताप में प्रकाशित किए। कानपुर के फीलखाना मोहल्ले में स्थित प्रताप के कार्यालय की स्थिति देखकर आचार्य शिवपूजन सहाय ने कहा था कि इतने टूटे फूटे मकान में रहकर देश की इतनी सेवा करना किसी महापुरूष का ही काम हो सकता है। अंग्रेजों के अत्याचार और अनाचार विद्यार्थी जी को अपने लक्ष्य से डिगा नहीं सके। प्रताप का प्रचार प्रसार दूर दूर तक हो गया। तभी 2फरवरी 1931 को इलाहाबाद में चंद्रशेखर आजाद की शहादत से क्रांतिकारियों को झटका लगा। उस समय भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरू भी जेल में बंद थे और इन्हें फांसी देने का निर्णय लिया जा चुका था। तभी अचानक चुपचाप 23मार्च को इन तीनों वीर जवानों को फांसी दे दी गई। विद्यार्थी जी भी इस मामले से काफी दुखी एवं व्यथित थे। दूसरी ओर हिन्दुओं और मुसलमानों को आपस में लड़ाने की अंग्रेजों की चाल कामयाब हो गयी। कानपुर में साम्प्रदायिक दंगा भड़क उठा,पूरा शहर आग की लपटों से घिर गया।

जगह-जगह रक्तपात होने लगा। ऐसे में विद्यार्थी जी स्वयं को रोक न सके और ज्वाला दत्त तथा शंकरराव टालीकर के साथ शहर में निकल पडे। उन्होंने जगह-जगह जाकर लोगों को समझाया और उन्हें आपस में लड़ाई-झगड़ा बंद करने की सलाह दी। मानवता के पुजारी के रूप में विद्यार्थी जी मानव सेवा में जुट गए। मानवता की सेवा में लगे इस निस्वार्थ पुजारी की उन्हीं में मे किसी एक ने हत्या कर दी जिन्हें वे बचाने पहुंचे थे। पुलिस इस सारे दौर में हमेशा की तरह मूकदर्शक बनी रही परिणामस्वरूप शहादत का बाना पहनने वाले इस वीर की पहचान 27 मार्च को की गई और 29 मार्च को उन्हें चुपचाप पंचतत्व में विलीन कर दिया गया। मात्र 40 वर्ष की आयु भाग्य में लिखाकर आया यह विद्यार्थी उन तमाम लोगों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बन गया जिन्होंने उनके जाने के बाद पत्रकारिता की मशाल थामी। विद्यार्थी जी के जाने के वर्षों बाद भी उनकी मानव कल्याण की इच्छा अधूरी है,निरंकुश नौकरशाही और धर्म व जाति के नाम पर राजनीति के खेल जारी हैं तब कैसे दें, हम इस अमर शहीद पत्रकार गणेश शंकर विद्यार्थी को श्रद्धांजलि?

कविता

अशोक पटेल
आशु तुस्मा
शिवरीनारायण (छ.ग.)

वो बेखबर नजर आते हैं...

ये आंसु कुछ कहते हैं,इसकी भी तो जुबांन होती है
समझने वाले समझ लेते है,आँखों से समझ होती है।

कोई दर्द को बयां करता है,तो नफ़रत बयां करता है
खामोशी यूँ ही नही होती,खामोशी ही कुछ कहता है।

न गलत समझ न सही,उसका अंदाज अलग होता है
जो दिल की गहराई को झाँके,सच्चाई साफ होता है।

आंसुओं में शराफत नही होती,सूरत आईना होते हैं
जरा आईना गौर से देखें,तभी मतलब साफ होते हैं।

आंसु में,आँखों में चेहरे में कुछ और ही नजर आते हैं
इजहार यूँ न करना,वो दिल से बेखबर नजर आते हैं।

उसकी बातें,उसकी जज्बातें,दिल में जगह बनाते हैं
दिल यूँ न किसी को देना,ये कभी जख्म कर जाते हैं।

प्रथम महिला स्वतंत्रता सेनानी अभय रानी 'अब्बक्का चौटा'

हेमेन्द्र क्षीरसागर

कर्नाटक के उल्लाल में 1525 को जन्मीं रानी अब्बक्का चौटा 16 वीं शताब्दी में उल्लाल की एक तुलुवा रानी थीं,जिन्होंने पुर्तगालियों के खिलाफ बहादुरी से लड़ाई लड़ी थी और उन्हें भारत की प्रथम महिला स्वतंत्रता सेनानी और एक जैन महिला बलिदानी भी कहा जाता है। अपनी वीरता के कारण उन्हें अभय रानी भी कहा जाता था,और उन्होंने चार दशकों से अधिक समय तक पुर्तगालियों के हमलों को विफल किया। वह चौटा राजवंश से थीं और उनके रणनीतिक कौशल और अग्निबाण के उपयोग के लिए जानी जाती हैं। उल्लेखनीय चौटा राजवंश जैन बंट मूल का एक जैन राजवंश था। जिसने 12 वीं-18 वीं शताब्दी के दौरान तुलुनाडु क्षेत्र के कुछ हिस्सों पर शासन किया था।

उल्लाल राज्य की शासक: साल था 1555 जब पुर्तगाली सेना कालीकट,बीजापुर,दमन,मुंबई जीतते हुए गोवा को अपना हेडक्वार्टर बना चुकी थी। टक्कर में कोई ना पाकर उन्होंने पुराने कपिलेश्वर मंदिर को ध्वस्त कर उसपर चर्च स्थापित कर डाली। मंगलौर का व्यवसायिक बंदरगाह अब उनका अगला निशाना था। उनकी बदकिस्मती थी कि वहाँ से सिर्फ 14 किलोमीटर पर उल्लाल राज्य था जहां की शासक थी 30 साल की रानी अबक्का चौटा। पुर्तगालियों ने रानी को हल्के में लेते हुए केवल कुछ सैनिक उसे पकडने भेजा। लेकिन उनमें से कोई वापस नहीं लौटा। क्रोधित पुर्तगालियों ने अब एडमिरल डॉम अल्वेरो ड-सिलवीरा के नेतृत्व में एक बड़ी सेना भेजी। शीघ्र ही जख्मी एडमिरल खाली हाथ वापस आ गया। इसके बाद पुर्तगालियों की तीसरी कोशिश भी बेकार साबित हुई।

चौथी बार में पुर्तगाल सेना ने मंगलौर बंदरगाह जीत लिया। सोंच थी कि यहाँ से रानी का किला जीतना आसान होगा,और फिर उन्होंने यही किया। जनरल जोओ पीक्सीटो बड़ी सेना के साथ उल्लाल जीतकर रानी को पकड़ने निकला। लेकिन यह क्या? किला खाली था और रानी का कहीं अता-पता भी ना था। पुर्तगाली सेना हर्षोल्लास से बिना लडें किला फतह समझ बैठी। वे जश्न में डूबे थे कि रानी अबक्का अपने चुनिंदा 200 जवान के साथ उनपर भूखे शेरो की भांति टूट पडी।

तलाक की चक्की में पिस जाती हैं दोनों की जिन्दगियाँ

डॉ. सुनील चौरसिया सावन

कमियां गिनाकर तलाक चाहने वालों में कमियों की कमी होती है क्या? इस जगत में कोई दूध का धुला नहीं है। जहां सच में प्रेम होता है वहां कमी भी अच्छाई में तब्दील हो जाती है। दाग तो चांद में भी होता है जिसके दीदार को दुनिया तरसती है। डगमगाते हुए रिश्ते को संवारने के लिए एक मुस्कान काफी है,बस रिश्ता चलाने और निभाने की चाहत होनी चाहिए। पहला प्यार और पहली शादी हमेशा अद्वितीय होती है। इसे यथासंभव संजोए रखना चाहिए। तलाक़ से बचना चाहिए। तलाक़ से पति-पत्नी दोनों की ज़िन्दगियां दागदार हो जाती हैं। एक कहावत प्रचलित है, मरदे-मेहरारू के झगड़ा और गांव भरके रगड़ा अर्थात पति-पत्नी आपस में लड़ेंगे,झगड़ेंगे फिर एक हो जाएंगे। उसमें तीसरे को हस्तक्षेप करना ही नहीं चाहिए। लगभग हर तलाक में तीसरे का हाथ होता है। जब पति-पत्नी के बीच में कोई तीसरा टपक जाता है तो मामला और पेचीदा हो जाता है और तिल का ताड़ बन जाता है। जहां दिल का मामला हो वहां ज्यादा दिमाग लगाना उचित नहीं होता है। परिवार चलाने के लिए दिल चाहिए और संसार चलाने के लिए दिमाग। जिस परिवार में दिमाग दखल देता है उसी परिवार में तलाक दस्तक देता है। जहां तकरार होता है वहां दरार भी होता है और प्यार भी होता है। मैं और तुम की जगह जहां हम होता है,वहां हर ज़ख्म का मरहम होता है। आजकल तलाक के तह में सिर्फ और सिर्फ अहम् होता है। पति-पत्नी के पवित्र रिश्ते में आखिर क्यों वहम् होता है? सावन साहित्य सेवा सदन की चाहत है आपके मधुमय जीवन में सुख,शान्ति,स्नेह,सम्मान और सुकून की वर्षा हो। आपका जीवन मंगलमय हो। मैं अक्सर एक गीत गुनगुनाता हूं उम्र कट न जाए यूं ही रूठने मनाने में। रूठना और मनाना प्रेममय जीवन का सुगम संगीत होता है। जिस रिश्ते में यह भाव होता है उससे तलाक जैसा कुभाव कोसों दूर रहता है। प्रेम की दुनिया अद्भुत होती है। प्रेम में हार मानने वाला ही विजेता होता है। जहां झुकाव होता है वहां लगाव होता है। पति-पत्नी का रिश्ता बहुत ही सुकोमल होता है। इसमें बात-बात पर अनबन होती है और एक ही मुस्कान से मन की सारी गांठें खुल भी जाती हैं। रिश्ता निभाना बच्चों का खेल थोड़ी है। इसमें एक दूसरे के दोषों को भी स्वीकारना होता है। लोग आजकल दोष-दर्शन होते ही दूसरे की चाहत में तलाक की ओर रूख़ करने लगते हैं। यह मानसिक मृगतृष्णा है। अक्सर दूर के ढोल सुहाने होते हैं। इसलिए जो प्राप्त है वह पर्याप्त है। रोज मीठी-मीठी बातें करने वाली पत्नी कभी तीखी बातें करे तो क्या हुआ? है तो अपनी ही। घी के लड्डू टेढ़ो भला। रोज प्यार-दुलार करने वाला पति कभी कुछ बोल दे तो क्या हुआ? है तो अपना ही। घी के लड्डू टेढ़ो भला। पति-पत्नी के जीवन में बहुत रस होता है। इसे सहनशीलता,सम्मान,सहयोग और समर्पण से सिंचना होता है। एक दूजे को महत्व देने से जीवन का उपवन लहलहा उठता है। तलाक की चक्की में पति-पत्नी दोनों की खूबसूरत ज़िन्दगी पिस जाती है जिसका रस लेता है कोई तीसरा। उस तीसरे को पहचानें और अपने जीवन को जानें। क्षमा,दया और करुणा से मुरझाई हुई ज़िन्दगी भी खिलखिला उठती है। प्रथम मिलन की याद मात्र से नीरस जीवन भी सरस हो उठता है। मृगतृष्णा में दुःख है।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात में अम्बिकापुर के गार्बेज कैफे की चर्चा कर अभिनव पहल की प्रशंसा

गंगापुर तुलसी चौक के पास मन की बात सुनने मंत्री छग शासन रामविचार नेताम तथा भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया रहे उपस्थित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

आज अंबिकापुर के गंगापुर तुलसी चौक के पास मंत्री छग शासन रामविचार नेताम के मुख्य आतिथ्य तथा भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया की उपस्थिति में 'मन की बात' कार्यक्रम अंतर्गत भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सुना गया । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के अम्बिकापुर में प्लास्टिक कचरा मुक्त शहर बनाने के लिए अपनाई गई अभिनव पहल की प्रशंसा की है। श्री मोदी ने रविवार, 26 अक्टूबर को अपने वैश्विक लोकप्रियता अर्जित कर चुके मासिक प्रसारण मन की बात की 127वीं कड़ी में देश के साथ इस चर्चा को साझा किया। मन की बात में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बताया कि अम्बिकापुर नगर निगम द्वारा संचालित 'गार्बेज कैफ़े' स्वच्छता और सेवा का अनोखा संगम है, जहाँ लोग प्लास्टिक कचरा देकर बदले में भरपेट भोजन या नाश्ता प्राप्त करते हैं। श्री मोदी ने इसे छत्तीसगढ़ के अम्बिकापुर में स्वच्छता और सामाजिक पहल का एक अनोखा और अनुकरणीय उदाहरण बताते हुए कहा कि अम्बिकापुर नगर निगम द्वारा संचालित 'गार्बेज कैफे' में लोग अपने प्लास्टिक कचरे को जमा कराकर बदले में भरपेट भोजन या नाश्ता प्राप्त कर सकते हैं। इस पहल के तहत यदि कोई व्यक्ति एक किलो प्लास्टिक कचरा जमा करता है, तो उसे दोपहर या रात का भोजन मिलेगा, वहीं आधा किलो कचरे पर नाश्ता प्रदान किया जाता है। यह कदम न केवल शहर को स्वच्छ बनाने में मदद करता है बल्कि सामाजिक जागरूकता और सहयोग का भी प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत करता है। प्रधानमंत्री मोदी के मासिक प्रसारण मन की बात में अम्बिकापुर नगर निगम की इस पहल का उल्लेख होने से सरगुजा अंचल समेत पूरे प्रदेश में उत्साह की लहर दौड़ गई है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इससे पहले भी छत्तीसगढ़ की उपलब्धियों को देश के साथ साझा किया था।

विदित रहे, प्रधानमंत्री श्री मोदी अपने इस मासिक प्रसारण में देश के विभिन्न क्षेत्रों की विशिष्टताओं,सामाजिक संस्थाओं व कार्यकर्ताओं की उपलब्धियों की चर्चा देशवासियों के साथ साझा करते हैं। मन की बात को सुनने के लिए नगर मंडल मंत्री शैलेंद्र शर्मा,अभिषेक शर्मा,रुपेश दुबे,अभिषेक सिंह देव, रविंद्र तिवारी,शैलेंद्र चौबे,प्रिंस तिवारी,संतन सोनी,दीक्षित यादव,मनेद्र पासवान,उमेश पटेल,संतोष तिवारी,अर्जुन मुंडा,अजय पटेल,संतोला सिंह,स्मिता मुंडा,विनोद गुप्ता,अरुण मिश्रा,करम देव गुप्ता, अभिषेक मिश्रा,सरदार जायसवाल सहित आमजन एवं भाजपा कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' में किया अंबिकापुर के गार्बेज कैफे का जिक्र,शहरवासियों में गर्व की लहर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को प्रसारित अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर नगर निगम की अनोखी पहल 'गार्बेज कैफे' का उल्लेख करते हुए इसकी सराहना की। उन्होंने स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अंबिकापुर के योगदान को देशभर के लिए प्रेरणास्रोत बताया। प्रधानमंत्री द्वारा इस पहल की तारीफ किए जाने पर अंबिकापुर नगर निगम और शहरवासियों में गर्व और उत्साह का माहौल है। अंबिकापुर नगर निगम द्वारा शहर के प्रतीक्षा बस स्टैंड में संचालित यह गार्बेज कैफे स्वच्छता और पुनर्चक्रण की दिशा में देश में अपनी तरह का पहला प्रयास रहा है। यहाँ कोई भी व्यक्ति प्लास्टिक का कचरा लाकर भोजन प्राप्त कर सकता है। एक किलो प्लास्टिक देने पर एक समय का भोजन और आधा किलो प्लास्टिक देने पर नाश्ता दिया जाता है। इस पहल का उद्देश्य शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाना और साथ ही जरूरतमंदों को सम्मानजनक ढंग से भोजन उपलब्ध कराना है। नगर निगम की महापौर मंजूषा भगत ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अंबिकापुर का उल्लेख किए जाने पर आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, यह पूरे अंबिकापुर वासियों के लिए गर्व और हर्ष का विषय है। प्रधानमंत्री द्वारा सराहना किया जाना हमारे प्रयासों की सफलता का प्रमाण है। गार्बेज कैफे को और भी आधुनिक रूप दिया जाएगा तथा शहर को पूर्ण रूप से प्लास्टिक मुक्त बनाने की दिशा में अभियान को और तेज किया जाएगा।

अंबिकापुर के गार्बेज कैफ़े को पीएम मोदी ने दी सराहना, भाजपा पदाधिकारियों ने पहुँच कर संचालकों को दी बधाई

भारत सिंह सिसोदिया के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया कैफ़े का अवलोकन,स्वच्छता और सेवा का दिया संदेश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मन की बात कार्यक्रम में अंबिकापुर नगर निगम के अभिनव 'गार्बेज कैफ़े' का उल्लेख किए जाने के बाद आज भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया के नेतृत्व एवं महापौर मंजूषा भगत की उपस्थिति में भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने नया बस स्टैंड स्थित गार्बेज कैफ़े पहुँच कर संचालक नरेंद्र पटेल और विनोद पटेल को बधाई दी तथा कैफ़े के सुचारू संचालन पर चर्चा की। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि गार्बेज कैफ़े में लोग प्लास्टिक कचरा जमा कर बदले में भरपेट भोजन या नाश्ता प्राप्त कर सकते हैं। इस पहल के तहत एक किलो प्लास्टिक पर भोजन और आधा किलो पर नाश्ता प्रदान किया जाता है। यह प्रयास शहर की स्वच्छता के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता और सहयोग का प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत करता है। इस अवसर पर भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि गार्बेज कैफ़े स्वच्छता और सेवा का अनोखा संगम है, जहाँ पर्यावरण संरक्षण के साथ मानवीय सेवा का संदेश निहित है। वहीं महापौर मंजूषा भगत ने कहा कि अंबिकापुर का यह गार्बेज कैफ़े पूरे छत्तीसगढ़ के लिए प्रेरणादायी उदाहरण है, जहाँ स्वच्छता को सामाजिक अभियान के रूप में रूपांतरित किया गया है। कार्यक्रम में सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी, महामंत्री विनोद हर्ष,महामंत्री द्वय अरुणा सिंह,निश्चल प्रताप सिंह,निलेश सिंह, रूपेश दुबे,जन्मेजय मिश्रा,अभिषेक शर्मा, अवधेश सोनकर,धनंजय मिश्रा,अजय सोनी, अभिषेक सिंह,संजीव वर्मा,शैलेंद्र शर्मा,शैलू सिंह, अंशुल श्रीवास्तव,शानू कश्यप,निशांत गुप्ता,सौरभ जायसवाल,शुभम भदौरिया,विनय साहू,अनीश सिंह, निशांत सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सरगुजा पुलिस द्वारा गांधी स्टेडियम में साइबर जागरूकता अभियान के तहत बास्केटबाल खिलाड़ियों को किया गया जागरूक

साइबर सेल पुलिस टीम एवं साइबर वोलेंटियर द्वारा जागरूकता अभियान के तहत आयोजित किया गया कार्यक्रम खिलाड़ियों को साइबर सम्बन्धी अपराध,उनके रोकथाम एवं हेल्पलाइन नंबर 1930 की दी गई जानकारी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत गत दिवस गांधी स्टेडियम,अंबिकापुर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बास्केटबॉल खिलाड़ियों को डिजिटल दौर में सुरक्षित रहने के तरीके बताए गए। कार्यक्रम के जरिये युवाओं को साइबर अपराधों से बचने और डिजिटल माध्यमों का सुरक्षित उपयोग करने के प्रति जागरूक किया गया, कार्यक्रम के दौरान युवा खिलाड़ियों को सरल और रोचक तरीके से साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं के बारे में बताया गया। उन्हें यह समझाया गया कि कैसे ओटीपी किसी के साथ साझा न करें, सोशल मीडिया पर अनजान व्यक्तियों से दोस्ती करने से बचें, और ऑनलाइन गेमिंग में सावधानी बरतें। इसके अलावा, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर और www.cyber-crime.gov.in पोर्टल के उपयोग के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई, जिससे वे किसी भी ऑनलाइन धोखाधड़ी या साइबर अपराध की स्थिति में मदद प्राप्त कर सकें।

कार्यक्रम के दौरान खिलाड़ियों को यह भी बताया गया कि अनजान लिंक पर क्लिक न करें और अज्ञात स्रोतों से गेम्स या एप्लिकेशन डाउनलोड न करें। इस अवसर पर,अभिव्यक्ति ऐप के उपयोग पर भी चर्चा की गई, जो विशेष रूप से बालिकाओं की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। इस ऐप के माध्यम से, बालिकाएं किसी भी प्रकार की परेशानी महसूस करने पर मदद के लिए संपर्क कर सकती हैं,साइबर एक्सपर्ट एवं साइबर वालंटियरों ने युवाओं से बातचीत कर उनकी समस्याओं और सवालों का जवाब भी दिया। बच्चों को डिजिटल माध्यमों का सही उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया साथ ही जानकारी प्रदान किया गया कि किसी भी प्रकार की साइबर घटना होने पर वे तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 से मदद प्राप्त कर सकते हैं। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान साइबर सेल से प्रधान आरक्षक विकाश सिन्हा, आरक्षक अनुज जायसवाल, अमन पुरी, साइबर वालंटियर टीम से अतुल गुप्ता, विक्की गुप्ता एवं अनमोल बारी ने सक्रिय भूमिका निभाई।

सो रहे व्यक्ति पर प्राण घातक हमला करने वाला चोर आया पुलिस की गिरफ्त में...

चोरी करने घर में घुसे आरोपियों ने सो रहे व्यक्ति पर किया था प्राण घातक हमला

-संवाददाता-
बलरामपुर,26 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के ग्राम पिंडरा निवासी प्रहलाद दीक्षित के फार्म हाउस वाले मकान में चोरी करने घुसे चोरों ने सो रहे व्यक्ति पर प्राण घातक हमला कर गंभीर रूप से घायल करने वाले आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर अपराध क्रमांक 154/2025 धारा 131(4), 131(6), 131(8), 109, 3(5) BNS. के तहत कार्यवाही कर न्यायिक रिमांड पर भेजा साथ ही दूसरे विधि से संघर्षरत बालक को विधिक अभिरक्षा में लेकर किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश कर सुधार गृह भेजा गया। आरोपी मनीष कुमार पिता रामधारी सिंह उम्र 23 वर्ष निवासी ग्राम नवडीह खुर्द थाना बलरामपुर, जिला बलरामपुर एवं एक अपचारी बालक. ने मिलकर दिया था घटना कों अंजाम। जानकारी के अनुसार दिनांक 24/10/2025 एवं 25/10/2025 के मध्य रात्रि को ग्राम पिंडरा निवासी प्रहलाद दीक्षित के द्वारा मोबाईल फ़ोन से थाना बलरामपुर को सूचना दिया गया कि अज्ञात व्यक्ति के द्वारा उनके फॉर्म हाउस वाले घर में घुसकर उनके भतीजे अभय दीक्षित पर प्राणघातक हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया है। सूचना पर पुलिस ने तत्काल घायल को जिला अस्पताल बलरामपुर में उपचार हेतु भर्ती कराया गया एवं घटना घटित करने वाले अज्ञात आरोपियों की पतासाजी हेतु थाना प्रभारी बलरामपुर निरीक्षक भापेन्द्र साहू के द्वारा अपनी टीम के साथ घटनास्थल के लिए रवाना हुए। घटनास्थल निरीक्षण के दौरान घर में सीसीटीवी कैमरा लगा होना पाया गया जिसके वीडियो फुटेज के अवलोकन पर 2 नकाबपोस आरोपी के द्वारा

चोरी छुपे घर में घुसकर वारदात को अंजाम दिए जाने की जानकारी प्राप्त हुई। सीसीटीवी से प्राप्त वीडियो फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान मनीष कुमार पिता रामधारी सिंह उम्र 23 वर्ष निवासी ग्राम नवडीह खुर्द थाना बलरामपुर एवं एक अन्य विधि से संघर्षरत बालक के रूप में किया गया। घटना घटित करने वाले आरोपी एवं विधि से संघर्षरत बालक की पहचान होने के उपरांत दोनों को उनके घर से पुलिस अभिरक्षा में लेकर थाना बलरामपुर लाया गया ।

आरोपियों ने पुछ ताछ करने पर उगला राज

पूछताछ करने पर दोनों ने चोरी के उद्देश्य से प्रहलाद दीक्षित के फॉर्म हाउस वाले घर में घुसना तथा अभय दिक्षित के ऊपर लोहे की सब्बल से प्राणघातक हमला कर घायल करना स्वीकार किए। घटना के संबंध में प्रार्थी प्रहलाद दीक्षित के रिपोर्ट पर थाना बलरामपुर में अपराध क्रमांक 154/ 2025 धारा 131(4), 131(6), 131(8), 109, 3(5) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान आरोपी मनीष कुमार एवं एक अन्य विधि से संघर्षरत बालक के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने पर आरोपी मनीष कुमार को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है साथ ही विधि से संघर्षरत बालक को विधिवत विधिक अभिरक्षा में लेकर माननीय किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश कर सुधार गृह भेज दिया गया है।

बालिका की हत्या कर भाग रहे अपराधी को पकड़ने में साहसिक कार्य करने वाले हुए सम्मानित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर शहर में विगत दिनों एक बालिका की हत्या कर भाग रहे अपराधी को पकड़ने में साहसिक कार्य करने वाले सिक्ख बन्धुओं श्री गुरुदेव सिंह एवं श्री हर्षसिमरन सिंह को शाल श्रीफल, स्मृति चिन्ह देकर एवं मिष्ठान खिलाकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में पूर्व प्राचार्य पी जी कालेज श्री एस पी त्रिपाठी, प्रोफेसर श्री अनिल कुमार सिन्हा,डी ओ स्कूल श्री लवकेश बघेल, श्री राजेन्द्र अग्रवाल,देवपाल सिंह, अधिवक्ता पंकज गुप्ता, हरपाल सिंह बाबरा(निक्कू) पूर्व पार्षद प्रमोद चौधरी,डाक्टर सुशील मिश्रा,दीपक, विकास श्रीवास्तव, सुशील तिवारी,योगेन्द्र चौबे,मनोज,अनिमेष सोनी मन्टू एवं महिलाओं सहित शहर के सभी गणमान्य नागरिक उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन सह राज्य प्रभारी पतंजलि योग समिति छत्तीसगढ़ कमलेश सोनी के द्वारा किया गया।

पुलिस चौकी के सामने एएसआई और आरक्षक की शराब के नशे में पिटाई...वायरल हुआ वीडिया...

-संवाददाता-
बलरामपुर,26 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें पुलिस चौकी के ठीक सामने एक एएसआई और एक आरक्षक को स्थानीय लोगों ने शराब के नशे में बुरी तरह पीटा। यह घटना बलंगी चौकी क्षेत्र की है, और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि दोनों पुलिसकर्मी शराब के नशे में लड़खड़ा रहे थे। इसी दौरान कुछ स्थानीय लोग उन पर टूट पड़े और पुलिस चौकी के सामने उनकी जमकर पिटाई कर दी। घटना के समय कुछ ग्रामीणों ने पूरी मारपीट को अपने मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया, जिसे बाद में सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया। सूत्रों के अनुसार,यह पूरी घटना भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष की मौजूदगी में हुई। स्थानीय दबंगों ने शराब के नशे में धुत पुलिसकर्मियों को खदेड़-खदेड़कर पीटा।

क्या है पूरा मामला : जानकारी के मुताबिक,पहली घटना 21 अक्टूबर की रात की

है। बलंगी चौकी के सामने संचालित एक ठेले के पास एक ग्रामीण ने नशे में धुत आरक्षक सुरेंद्र की पिटाई की। वीडियो में देखा जा सकता है कि ग्रामीण आरक्षक को 4-5 थप्पड़ मारते हैं। इसके बाद दूसरी घटना 23 अक्टूबर की सुबह करीब 8 बजे हुई। वायरल वीडियो में नशे में धुत एएसआई नंदलाल को भीड़ के सामने एक युवक थप्पड़ मारते हुए दिखाई दे रहा है। इस दौरान एएसआई लड़खड़ा रहे थे और भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष भी मौके पर मौजूद थे। ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया।

कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर सवाल उठे : दोनों घटनाओं का वीडियो स्थानीय लोगों ने बनाया और सोशल मीडिया पर साझा किया।

वीडियो वायरल होने के बाद लोग पुलिसकर्मियों से मारपीट और कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर सवाल उठा रहे हैं।

सडक़ हादसे में पशु विभाग के कंपाउंडर की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

कल्याणपुर लटोरी चौकी से करीब 1 किमी दूर 25 अक्टूबर की शाम को आने-सामने दो बाइकों में भिड़ंत हो गई।

हादसे में एक बाइक सवार पशु विभाग में पदस्थ कंपाउंडर गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे इलाज के लिए मिशन अस्पताल लाया गया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानाकरी के अनुसार सेतोराम उम्र 50 वर्ष प्रतापपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पाठकपुर का रहने वाला था। वह पशु विभाग में कंपाउंडर के पद पर सोनगरा में कार्यरत था।

25 अक्टूबर को वह बाइक से ड्यूटी गया था। इसके बाद निजी कार्य से अंबिकापुर आया था। वापस जाने के दौरान कल्याणपुर चौकी लटोरी से करीब 1 किमी दूर बाइक सवार से भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में सेतोराम गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। उसे इलाज के लिए मिशन अस्पताल अंबिकापुर लाया गया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

CMYK

सरगुजा में फिर सजेगा खेलों का महाकुंभ

राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता 2025 की तैयारियां पूर्ण

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

खेल प्रतिभाओं की भूमि सरगुजा एक बार फिर राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता 2025 की मेज़बानी के लिए पूरी तरह तैयार है। आगामी 28 अक्टूबर 2025 से प्रारंभ होने वाली 25 वीं राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता को लेकर जिला प्रशासन ने सभी तैयारियाँ पूर्ण कर ली हैं। इस प्रतियोगिता में पूरे राज्य के पाँचों संभाग दुर्ग,रायपुर,बिलासपुर, सरगुजा और बस्तर की टीमें हिस्सा लेंगी। जिला कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर श्री विलास भोस्कर की अध्यक्षता में प्रतियोगिता की तैयारियों की समीक्षा हेतु बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी, खेल अधिकारी,लोक निर्माण विभाग, स्वास्थ्य विभाग,परिवहन विभाग,नगर निगम एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि आयोजन की गुणवत्ता पूर्व वर्षों की भाँति उत्कृष्ट,अनुशासित और प्रेरणादायक होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के लिए आवास,भोजन, परिवहन, चिकित्सीय सुविधा और सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाए ताकि प्रतिभागी पूरी ऊर्जा और आत्मविश्वास के साथ प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले सकें। कलेक्टर ने यह भी कहा कि सरगुजा की

मेहमाननवाज़ी और संगठन क्षमता पूरे प्रदेश में उदाहरण बनेगी। भव्य उद्घाटन समारोह 28 अक्टूबर को मल्टीपर्पज स्कूल मैदान, अंबिकापुर में आयोजित होगा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री श्री राजेश अग्रवाल तथा सांसद श्री चिंतामणि महाराज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। वहीं समापन समारोह में प्रभारी मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी, शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों के शामिल होने की संभावना है।

इस वर्ष प्रतियोगिता में निम्न खेलों का आयोजन किया जाएगा...

- फुटबॉल (बालिका-19 वर्ष)
- बैडमिंटन (बालक एवं बालिका-14, 17,19 वर्ष)
- क्रिकेट (बालक-14 वर्ष)
- बास्केटबॉल (बालक एवं बालिका-14,17,19 वर्ष)

जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश झा ने जानकारी दी कि सभी खेल मैदानों का निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मत,उपकरण व्यवस्था और सजावट का कार्य पूरा कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों के लिए आवास स्थलों को सुसज्जित किया गया है तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों और मार्चपास्ट का रिहर्सल अंतिम चरण में है।

सरगुजा की धरती खेल प्रतिभाओं से भरी हुई है। यह आयोजन हमारे युवाओं को राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगा। खेलों के माध्यम से अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास का विकास होता है, और यही इस महोत्सव का मूल उद्देश्य है।

सरगुजा प्रशासन, शिक्षा विभाग और खेल एवं युवा कल्याण विभाग संयुक्त रूप से इस आयोजन को भव्य, सुरक्षित और प्रेरणादायक बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। नगर निगम द्वारा मैदान और स्वागत स्थल को आकर्षक रूप से सजाया जा रहा है,वहीं स्वास्थ्य विभाग ने मेडिकल टीमों की तैनाती के साथ एम्बुलेंस सेवाएँ भी सुनिश्चित की हैं। खेल महाकुंभ के इस पर्व में राज्यभर से आने वाले सैकड़ों खिलाड़ी, कोच, अधिकारी एवं खेलप्रेमी सरगुजा की सांस्कृतिक और खेलीय धरोहर के साक्षी बनेंगे।

यह आयोजन न केवल खेल प्रतिभाओं के प्रदर्शन का मंच बनेगा, बल्कि सरगुजा के गौरव और खेल संस्कृति के उत्थान का प्रतीक भी सिद्ध होगा।

खरना के बाद व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू,पहला अर्घ्य आज

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

लोकआस्था के महापर्व छठ के दूसरे दिन रविवार को छठव्रतियों ने तालाबों,जलाशयों नदियों में स्नान करने के बाद प्रसाद बनाया। शाम में शांत वातावरण में खरना का धार्मिक अनुष्ठान पूरा कर प्रसाद ग्रहण किया। व्रतियों के प्रसाद खाने के बाद परिवार के अलावा पड़ोसी,रिश्तेदारों का प्रसाद खाने का दौर शुरू हुआ,जो देर रात तक चलता रहा। इसके साथ ही तकरीबन 36 घंटे का व्रतियों का निर्जला उपवास शुरू हो गया। सोमवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। इसके लिए व्रती तालाब, नदी, डेम में स्नान कर शाम में भगवान भुवन भास्कर को पहला अर्घ्य देंगे। फिर मंगलवार की सुबह जलाशयों में उतरकर भगवान की आराधना करेंगे। साथ ही उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करेंगे, इसके साथ ही चार दिवसीय महा छठ की पूर्णाहुति होगी। खीर प्रसाद बनाने के लिए नदियों और कुएं के पानी इस्तेमाल किया।

नए चूल्हे पर आम की लकड़ी को जलावन में इस्तेमाल करते हुए पीतल के बर्तन में खरना के लिए प्रसाद बनाया गया। प्रसाद के लिए खीर व पूरी बनाई। शाम ढलते ही छठ व्रतियों ने छठ गीतों के बीच प्रसाद ग्रहण किया। चार दिवसीय छठ के दूसरे दिन रविवार को व्रतियों ने पूरे दिन उपवास रखा। शाम को छठ घाट पर जाकर नदी-तालाबों व जलाशयों में स्नान करने के बाद नदी के ही रेत व मिट्टी को उठाकर घाट बांधने के बाद पूजा अर्चना की।

अपने जन्मदिन के दिन छात्रा ने कीटनाशक सेवन कर दी जान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

उदयपुर के ग्राम भदवाही में कक्षा 11वीं की छात्रा ने अपने जन्मदिन के दिन 22 अक्टूबर को अज्ञात कारण से कीटनाशक सेवन कर ली थी। परिजन उसे इलाज के लिए मिशन अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी क अनुसार नीतु यादव पिता रामजगत यादव उम्र 16 वर्ष उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम भदवाही की रहने वाली थी। वह कक्षा 11वीं की छात्रा था। 22 अक्टूबर को इसका जन्मदिन था। अज्ञात कारण से वह कीटनाशक सेवन कर ली थी। परिजन उसे इलाज के लिए अंबिकापुर जिला अस्पताल लाए। यहां आईसीयू में जगह न होने के कारण परिजन मिशन अस्पताल ले गए। यहां इलाज के दौरान 25 अक्टूबर को उसकी मौत हो गई।

सांसद से गाली गलौज,शिकायत थाने में

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

शहर अग्रसेन वार्ड निवासी दिनेश शुक्ला ने आम आदमी पार्टी के नेता राजेनद्र बहादुर सिंह के साथियों पर सांसद चिंतामणि महाराज को गाली गलौज किए जाने की शिकायत कोतवाली में दर्ज कराई है। उसने पुलिस को बताया है कि 24 अक्टूबर की दोपहर करीब 2 बजे राष्ट्री राजमार्ग शंकर घाट के पास रास्ता रोकर आम आदमी पाटी के नेता राजेनद्र बहादुर सिंह के साथियों द्वारा सांसद को गाली-गलौज किया है। उन्होंने मामले की शिकायत कर उचित कार्रवाई की मांग की है।

नगर में स्वच्छता सुधार के दावे जमीनी स्तर पर हो रहे हैं कमजोर साबित

-संवाददाता-
शंकरगढ़,26 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

मुख्यालय की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ एवं डस्टबिन-फ्री शहर बनाने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई ठोस अपशिष्ट प्रबंधन योजना मुख्यालय में अपेक्षित परिणाम नहीं दे पा रही है। नगर में स्वच्छता सुधार के दावे जमीनी स्तर पर कमजोर साबित हो रहे हैं। विकासखंड मुख्यालय स्थित एकमात्र खेल मैदान,जो जिला एवं विकासखंड स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं जैसे क्रिकेट,फुटबॉल तथा विभिन्न शासकीय एवं जनप्रतिनिधियों के कार्यक्रमों का प्रमुख स्थल रहा है, वर्तमान में बदहाली की स्थिति में है। मैदान के चारों ओर कूड़ा-कचरा,प्लास्टिक की थैलियाँ व बोतलें फैली हुई हैं। इस ओर न तो संबंधित अधिकारियों का ध्यान जा रहा है,न ही जनप्रतिनिधियों द्वारा कोई ठोस कदम उठाया जा रहा है जिस कारण बदबू भी फैल रही है और खेल मैदान के बगल में ही शासकीय कन्या आश्रम भी है ।

खेल मैदान का शौचालय जर्जर अवस्था में : हजारों रुपये की लागत से निर्मित शौचालय वर्तमान में पूरी तरह जर्जर स्थिति में है। ग्रामीणों के अनुसार निर्माण कार्य में निम्न गुणवत्ता की सामग्री का उपयोग किया गया,जिसके कारण शौचालय उपयोग योग्य नहीं रह गया है। ग्रामीणों का कहना है कि यह निर्माण भ्रष्टाचार का शिकार हो चुका है।

स्टेज निर्माण अधूरा,गुणवत्ता पर उठे प्रश्न : ग्रामीणों ने यह भी बताया कि लाखों रुपये की लागत से निर्मित हो रहा मंच (स्टेज) वर्षों से अधूरा पड़ा है। कार्य में गुणवत्ताहीनता साफ दिखाई दे रही है। मैदान में पानी पटाने की व्यवस्था नहीं की जाती तथा केवल लीपापोती कर कार्य को पूरा दिखाने का प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि खेल मैदान की सफाई व्यवस्था में सुधार किया जाए,शौचालय की मरम्मत कराई जाए तथा मंच निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कराई जाए। साथ ही जिम्मेदारों पर आवश्यक कार्रवाई की जाए ताकि मुख्यालय की स्वच्छता व्यवस्था पुनः सुचारू हो सके।

छठ महापर्व की धूम : रेणुका नदी तट पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब,व्रतियों ने की घाट बंधाई और पूजा-अर्चना

-संवाददाता-
सूरजपुर,26 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

आस्था,श्रद्धा और सूर्योपासना के महापर्व छठ की तैयारियां जिलेभर में चरम पर हैं। रविवार को सूरजपुर के रेणुका नदी तट स्थित प्रमुख छठ घाट पर सुबह से ही व्रतियों और श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचकर घाट की बंधाई (सजावट) करते हुए भगवान सूर्य की आराधना में लीन नजर आए। घाट परिसर में जगह-जगह साफ-सफाई और सजावट का कार्य हुआ। व्रतियों ने नदी तट पर मिट्टी के चूल्हे बनाए, अरघ्य स्थलों को फूल-मालाओं और केले के पत्तों से सजाया। वहीं स्थानीय प्रशासन और नगर पालिका की टीम ने सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था और स्वच्छता के विशेष इंतजाम किए हैं ताकि व्रतियों को किसी तरह की असुविधा न हो। महिलाओं ने छठ गीतों की गूंज के बीच पारंपरिक विधि से पूजा-अर्चना कर छठी मइया से परिवार की सुख-समृद्धि और मंगल की कामना की। रेणुका नदी का तट रविवार को भक्ति और लोक आस्था के रंग में रंगा नजर आया।

भूत-प्रेत का ड्रामा रच पत्नी-सास ने की पति की हत्या,पुलिस ने सुलझाई अंधे कत्ल की गुत्थी

-संवाददाता-
सूरजपुर,26 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

जिले के जजावल गांव में दीपावली की रात हुए अनंत सिंह के अंधे कत्ल ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी थी। मृतक की पत्नी बसंती ने भूत-प्रेत के बहाने हत्या की कहानी गढ़कर पुलिस और ग्रामीणों को गुमराह करने की कोशिश की,लेकिन चंदौरा थाना पुलिस ने इस सनसनीखेज मामले का पर्दाफाश कर दिया। हैरान करने वाली सच्चाई सामने आई कि अनंत की हत्या किसी भूत-प्रेत ने नहीं,बल्कि उसकी पत्नी बसंती और सास फूलमती ने मिलकर की। दरअसल 20 अक्टूबर की रात जजावल गांव में अनंत सिंह की कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी गई। पत्नी बसंती ने दावा किया कि भूत-प्रेत ने उसकी जान ली,जिससे गांव में खलबली मच गई।

व्यापार समाचार

साप्ताहिक समीक्षा : शेयर बाजार में ज्यादातर समय उत्साह का माहौल बना रहा

नई दिल्ली,26 अक्टूबर 2025। शुक्रवार 24 अक्टूबर को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह में घरेलू शेयर बाजार लगातार चौथे सप्ताह मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुआ। बाजार में जारी तेजी के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक 52 सप्ताह के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गए। सेंसेक्स 30 सितंबर,2024 के बाद पहली बार 85 हजार अंक के ऊपर खुला। इसी तरह निफ्टी ने भी 30 सितंबर 2024 के बाद पहली बार 26,000 अंक के स्तर को पार करने में सफलता हासिल की। पूरे सप्ताह हुई खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स साप्ताहिक आधार पर 259.69 अंक यानी 0.30 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त के साथ 84,211.88 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी ने साप्ताहिक आधार पर 85.30 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,795.15 अंक के स्तर पर पिछले सप्ताह के कारोबार का अंत किया। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता होने की उम्मीद,विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) द्वारा घरेलू शेयर बाजार लगातार की जा रही खरीदारी और दूसरी तिमाही के मजबूत नतीजों के कारण घरेलू शेयर बाजार में इस सप्ताह ज्यादातर समय उत्साह का माहौल बना रहा। इसी उत्साह के कारण घरेलू शेयर बाजार ने साल 2025 में पहली बार लगातार चौथे सप्ताह साप्ताहिक आधार पर बढ़त दर्ज की। सोमवार से

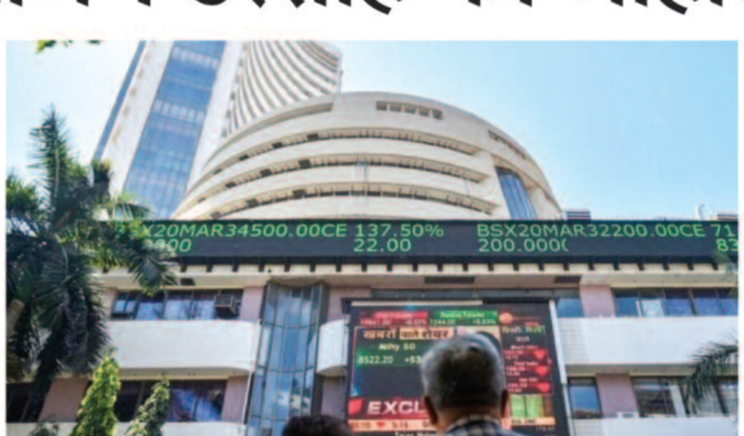

शुक्रवार तक के कारोबार में बीएसई का लार्ज कैप इंडेक्स मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल इंडस टावर,वोडाफोन आइडिया, श्रीराम फाइनेंस, कमिंस इंडिया, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और इन्फोसिस के शेयर साप्ताहिक आधार पर 5 से 10 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस, अदानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन, आईसीआईसीआई बैंक, एटरनल, हुंडई मोटर इंडिया,हिंदुस्तान यूनिलीवर,अल्ट्राटेक सीमेंट और श्री सीमेंट के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। इसी तरह 24 अक्टूबर को खत्म हुए सप्ताह के दौरान बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.50 प्रतिशत की साप्ताहिक तेजी हासिल करने में सफल रहा। इस इंडेक्स में शामिल एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया,आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, फेडरल बैंक,क्रिसिल और बंधन बैंक टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, सुप्रीम इंडस्ट्रीज, फोर्टिस हेल्थकेयर, डालमिया भारत, डिक्सन टेक्नोलॉजीज, कैन्स टेक्नोलॉजी इंडिया और एफएसएन ई-कॉमर्स वेंचर्स के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। पिछले सप्ताह के कारोबार में बीएसई का स्मॉलकैप इंडेक्स साप्ताहिक आधार पर 1 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। इस इंडेक्स में शामिल उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक, भागेरिया इंडस्ट्रीज, शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, डीसीबी बैंक और राजरतन ग्लोबल वायर के शेयर साप्ताहिक आधार पर 21 से 36 प्रतिशत की बढ़त हासिल करके टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर गैलेंट इस्पात,ऐस्टेक लाइफ साइंसेज, स्टेलियन इंडिया फ्लोरोकेमिकल्स, इंडो थाई सिक्योरिटीज,जेनेसिस इंटरनेशनल कॉरपोरेशन,यूनिपार्ट्स इंडिया और तानला प्लेटफॉर्म्स के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। पिछले सप्ताह के कारोबार में सेक्टोरल परफॉर्मेंस की बात करें,तो निफ्टी का आईटी इंडेक्स साप्ताहिक आधार पर 3 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह पीएसयू बैंक इंडेक्स 2 प्रतिशत की तेजी हासिल करने में सफल रहा। वहीं निफ्टी का मेटल इंडेक्स 1.5 प्रतिशत उछल गया। इसी तरह निफ्टी के मीडिया इंडेक्स ने 1.3 प्रतिशत की साप्ताहिक आधार पर मजबूती हासिल की,जबकि निफ्टी के ऑयल एंड गैस इंडेक्स ने एक प्रतिशत की बढ़त लेकर बंद होने में सफलता हासिल की। दूसरी ओर, निफ्टी के एफएमसीजी इंडेक्स और ऑटो इंडेक्स में साप्ताहिक आधार पर 0.50 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) के कारोबार की बात करें,तो पिछले सप्ताह के दौरान एक बार फिर विदेशी संस्थागत निवेशक शुद्ध खरीदार (बायर) की भूमिका में नजर आए।

खान मंत्रालय ने राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन के तहत दो और उत्कृष्टता केंद्रों को दी मान्यता

नई दिल्ली,26 अक्टूबर 2025। खान मंत्रालय ने पहले से मान्यता प्राप्त सात संस्थानों के अलावा 02 और संस्थानों, भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बैंगलोर और सेंटर फॉर मैटेरियल्स फॉर इलेक्ट्रॉनिक्स टेक्नोलॉजी (सी-मेट), हैदराबाद को राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन (एनसीएमएम) के तहत उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) के रूप में मान्यता दी है। खान मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक बयान में बताया कि ये निर्णय परियोजना अनुमोदन एवं सलाहकार समिति (पीएएसी) ने 24 अक्टूबर को खान मंत्रालय के सचिव पीयूष गोयल और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव प्रो. अभय करंदीकर की सह-अध्यक्षता में आयोजित बैठक में दी गई मंजूरी के बाद लिया। ये सीओई क्रिटिकल मिनरल्स के क्षेत्र में देश की साइंस और टेक्नोलॉजी क्षमताओं को बढ़ाते हुए इनोवेटिव और ट्रांसफॉर्मेशनल रिसर्च करेंगे। मंत्रालय ने कहा कि क्रिटिकल रॉ मटेरियल क्लीन एनर्जी और मोबिलिटी ट्रांजीशन जैसे उभरते सेक्टर के लिए महत्वपूर्ण सप्लाई चेन का निर्माण करते हैं। इसके अलावा एडवांस्ड टेक्नोलॉजी और इलेक्ट्रॉनिक्स, डिफेंस और स्पेस जैसे स्ट्रैटेजिक सेक्टर्स

के लिए भी ये मटेरियल काफी महत्वपूर्ण हैं। उन्नत प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा,अंतरिक्ष आदि जैसे रणनीतिक क्षेत्रों के अलावा स्वच्छ ऊर्जा और गतिशीलता परिवर्तन के उभरते क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण कच्चे माल महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण करते हैं। संपूर्ण प्रणाली दृष्टिकोण में प्रौद्योगिकियों के विकास, प्रदर्शन और परिनियोजन हेतु, अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) करना आवश्यक है, ताकि टीआरएल 7/8 पायलट प्लांट और पूर्व-व्यावसायिक प्रदर्शन के उच्च प्रौद्योगिकी तत्परता स्तर (टीआरएल) तक पहुंचा जा सके। खान मंत्रालय के मुताबिक ये उत्कृष्टता केंद्र महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में देश की विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षमता को सुदृढ़ और उन्नत करने के लिए नवीन और परिवर्तनकारी अनुसंधान करेंगे। प्रत्येक उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) हब और स्पोक मॉडल पर एक संघ के रूप में कार्य करेगा, ताकि महत्वपूर्ण खनिजों में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा दिया जा सके और प्रत्येक घटक की मुख्य क्षमताओं को एक छतरी के नीचे लाया जा सके। सीओई (हब संस्थान) को सीओई दिशानिर्देशों के अनुसार,संघ में कम से कम दो उद्योग भागीदारों और कम से कम दो अनुसंधान एवं विकास/ शैक्षणिक भागीदारों को शामिल करना अनिवार्य है। 9 मान्यता प्राप्त उत्कृष्टता केंद्रों ने मिलकर लगभग 90 उद्योग और शैक्षणिक/आरएंडडी प्रवक्ताओं को शामिल किया है।

अधिवक्ता का नोटिस अधूरा!

जिला न्यायालय का पता देकर पत्रकार पर दबाव?

तहसीलदार के अधिवक्ता ने घटती-घटना के पत्रकार को नोटिस भेजा

लेकिन अपने कार्यालय और निवास का पता नहीं दिया,कानूनी रूप से नोटिस की वैधता पर सवाल

-न्यूज डेस्क-

अंबिकापुर/सूरजपुर,26 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)। तहसीलदार शिवनारायण राठिया के अधिवक्ता ने घटती-घटना के पत्रकार को वैधानिक नोटिस भेजा,लेकिन नोटिस में अधिवक्ता का पूरा पता और कार्यालय का विवरण नहीं दिया गया है। केवल सूरजपुर जिला न्यायालय का पता दिया गया है,जो वैध नोटिस के लिए पर्याप्त नहीं है। कानून के जानकारों के अनुसार,अधिवक्ता अधिनियम,1961 के तहत नोटिस में पूरा नाम,पंजीकरण संख्या और कार्यालय/निवास का पता होना अनिवार्य है। अधिवक्ता द्वारा केवल न्यायालय का पता देना नियमों का उल्लंघन है। वैसे सवाल यह है कि क्या अधिवक्ता हड़बड़ी में थे।

क्या संभाग के सबसे प्रसिद्ध अधिवक्ता हैं जिनका पता नहीं नाम के साथ डाक पहुंच जाता है...

जिस अधिवक्ता ने लीगल मानहानि नोटिस भेजा है वह लगता है कि संभाग के सबसे बड़े अधिवक्ता है इसीलिए उन्हें ज्ञान भी अधिक है और उनका नाम ही पूरे संभाग के लिए काफी है उनका नाम देखकर ही पोस्टमैन उनके पते पर डाक भिजवा देता है काफी प्रसिद्ध अधिवक्ता माने जाते हैं?

कानूनी विश्लेषण

विशेषज्ञों का कहना है कि अधिवक्ता का यह कदम या तो जल्दबाजी में नोटिस तैयार करने का परिणाम हो सकता है या फिर तहसीलदार

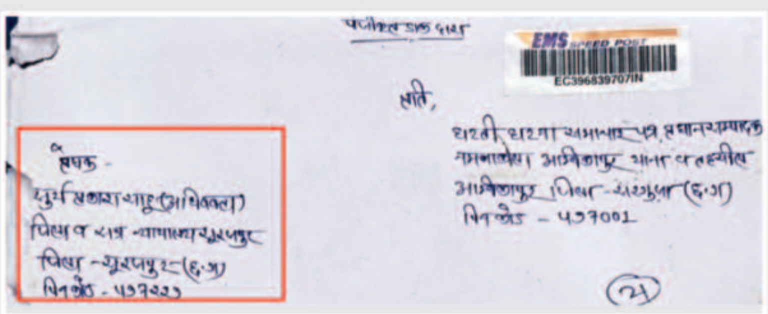

के,पक्ष में पत्रकार पर दबाव बनाने की रणनीति, नोटिस का उद्देश्य पत्रकारिता के स्वतंत्र अधिकार को सीमित करना प्रतीत होता है। अधिवक्ता का अधूरा पता,नोटिस की वैधता पर सीधे सवाल खड़ा करता है,और इसे अदालत में चुनौती दी जा सकती है।

सवाल और निष्कर्ष

- **प्रमुख सवाल :** क्या सभी अधिवक्ताओं का पता जिला न्यायालय होता है?
- **प्रमुख सवाल :** अधिवक्ता ने जानबूझकर जानकारी छुपाई या गलती की?
- **प्रमुख सवाल :** क्या यह नोटिस पत्रकारों पर दबाव डालने का प्रयास है?

अधूरा नोटिस पत्रकार पर दबाव डालने की कोशिश?

कानूनी रूप से वैध नोटिस में अधिवक्ता का पूरा विवरण होना अनिवार्य होता है। अधूरा नोटिस पत्रकार पर दबाव डालने की कोशिश या हड़बड़ी का परिणाम ही माना जा सकता है।

हाइलाइट बॉक्स

- **अधिवक्ता का नोटिस:** तहसीलदार शिवनारायण राठिया के पक्ष में...
- **समस्या:** केवल जिला न्यायालय का पता, कार्यालय और निवास का विवरण नहीं
- **कानूनी मानक :** अधिवक्ता अधिनियम, 1961 - पूर्ण विवरण आवश्यक
- संभावित प्रभावः पत्रकारिता के स्वतंत्र अधिकार पर दबाव।

जिस ठेले में बैठते हैं वहीं का पता लिख देते,कम से कम नोटिस का जवाब देना आसान होता- नोटिस भेजने वाले अधिवक्ता एक ठेले में बैठते हैं,वह अपना अधिकाशं समय ठेले में ही व्यतीत करते हैं,अधिवक्ता उसी ठेले का पता नोटिस में अपने पते की जगह डाल देते कम से कम पत्रकार को नोटिस का जवाब देने में आसानी होती।

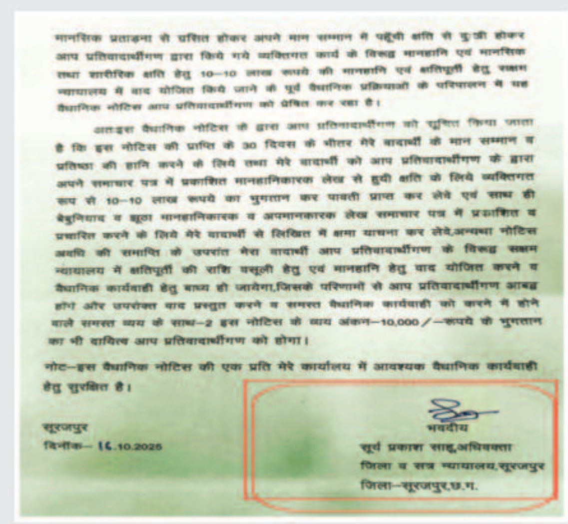

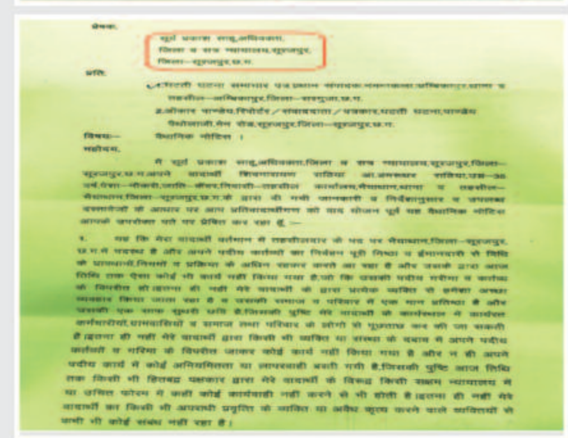

जनपद पंचायत खड़गवां में चल रहा है फर्जीवाडा अधिकारियों के सह पर

- शिकायत जांच में होती है देरी नही होती समय पर जांच शिकायतकर्ता अपनी शिकायत जांच का करते हैं महिनों इंतजार आखिर क्यों ?
- जनपद पंचायत में नवपदस्थ अधिकारियों के पदस्थापना के बाद से भ्रष्टाचार को मिला है बढ़वा,आखिर क्यों नही होती शिकायत पर कार्यवाही ?

शिकायत जांच में क्यों होती है देरी...सवाल क्या खड़ा हो रहा है। ऐसा लगता है कि जनपद पंचायत खड़गवां के अधिकारी के सह पर हो रही है देरी जिनकी जांच होनी है...उन्हें सब कुछ सही करने का मौका दिया जाता है क्या?

-राजेन्द्र शर्मा-

खड़गवां,26 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)। ग्राम पंचायत सिंघत निर्माण कार्य पर रोक लगाने की शिकायत स्वास्थ्य मंत्री छत्तीसगढ़ शासन को बंशीलाल सिंह ने किया है कि शिव चंदर सिंह के द्वारा सांसद मद से कम्प्यूटर भवन निर्माण कार्य की स्वीकृति कराकर स्व मेहीलाल के पटे की भूमि पर खसरा नंबर -28 पर भवन का निर्माण कार्य किया जा रहा है कि अनुचित रूप से सही नहीं किया जा रहा है। शिकायतकर्ता ने अपने शिकायत में ये भी उल्लेख किया है कि कार्य स्वीकृति के समय जो दस्तावेज खसरा 24 नंबर एवं ग्राम पंचायत का प्रस्ताव आदि लगाया गया है और उस स्थल पर भवन का निर्माण कार्य नहीं कराया जा रहा है। और भवन निर्माण कार्य बंशीलाल सिंह के चाचा के पटे की भूमि खसरा नंबर 28 पर निर्माण कार्य किया जा रहा है। इस तरह ग्राम पंचायत सिंघम में उक्त कार्य शिव चंदर सिंह के द्वारा कराया जा रहा है जिस पर रोक लगाने की मांग की है। जिसका पत्र जनपद पंचायत खड़गवां के सीईओ को भी दिया गया है। क्या इस भवन का ले आउट देने वाले इंजीनियर और अधिकारियों के द्वारा भवन निर्माण स्थल के दस्तावेजों का अवलोकन करने के पश्चात ही लेआउट करना चाहिए मगर इस जनपद पंचायत खड़गवां में निर्माण कराने वाले की सुविधा का ज्यादा ध्यान दिया जाता है जिसके कारण गरीब किसान हो रहे हैं परेशान सूत्रों से जानकारी मिल रही है कि सिघत ग्राम पंचायत में कई बड़े घोटाले हुए हैं और जनपद पंचायत खड़गवां के सीईओ ने उसकी जांच भी कराई मगर कार्यवाही का कुछ पता नहीं चला कि क्या हुआ या आदान प्रदान में ही निपट गया ऐसा खेल इस जनपद पंचायत खड़गवां में बड़े जोरों पर चल रहा है क्या इस शिकायतकर्ता गरीब को जनपद पंचायत खड़गवां के सीईओ न्याय दिलाने में सफल होंगे या सिर्फ शिकायत रदी कि टोकरी में सेवा देगी।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य तारा पाण्डेय का निधन

-संवाददाता-

कोरियां,26 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)। बैकुंठपुर निवासी कोरिया जिले की पूर्व जिला पंचायत सदस्य तारा पाण्डेय का रविवार सुबह निधन हो गया,वह पिछ्ले कुछ समय से बीमार चल रही थीं। अंतिम संस्कार गेज नदी तट पर स्थित मुक्तिधाम में किया गया जहां मुखाग्नि पति ओंकार पाण्डेय ने प्रदान की। तारा पाण्डेय कांग्रेस पार्टी से जुड़ी रही वहीं उन्होंने जिला पंचायत कोरिया के प्रथम चुनाव में सदस्य बनने का गौरव प्राप्त किया था।

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर
जिला-सरगुजा (छ0ग0)

लखनपुर,दिनांक- 23/10/2025

ईश्तहार

प्रति,
समस्त ग्रामवासी
ग्राम-चोडेया
तहसील-लखनपुर

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक जयनाथ आ0 स्व0 दिना निवासी ग्राम चोडेया तहसील लखनपुर के द्वारा अपने माता स्व0 तिजो की मृत्यु दिनॉक 12.05.2018 को हो जाने से जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13 (3) एवं छ0ग0 जन्म-मृत्यु रजि0 नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत् मृत्यु प्रमाण-पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है जिस पर दिनॉक 06/11/2025 को सुनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथी 06/11/2025 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनॉक के पश्चात् प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

(सील) **नायब तहसीलदार लखनपुर**

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर
जिला-सरगुजा (छ0ग0)

लखनपुर,दिनांक- 23/10/2025

ईश्तहार

प्रति,
समस्त ग्रामवासी
ग्राम-तुरना
तहसील-लखनपुर

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक आलम साय राजवाडे आ0 स्व0 सुखराम राजवाडे निवासी ग्राम तुरना तहसील लखनपुर के द्वारा अपने पत्नी स्व0 कदम कंवर की मृत्यु दिनॉक 07.06.2024 को हो जाने से जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13(3) एवं छ0ग0 जन्म-मृत्यु रजि0 नियम 2001 के नियम 9(3) के तहत् मृत्यु प्रमाण-पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है जिस पर दिनॉक 10/11/2025 को सुनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथी 10/11/2025 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनॉक के पश्चात् प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

(सील) **नायब तहसीलदार लखनपुर**

भाजपा ने 'आत्मनिर्भर भारत' और 'हर घर स्वदेशी अभियान' किया शुरू...

भाजपा मंडल के पदाधिकारी क्षेत्रो में घूम कर योजनाओं की दे रहे जानकारी

-संवाददाता-

सोनहत,26 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)। भाजपा जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी के मार्गदर्शन एवं भाजपा मण्डल अध्यक्ष आदरणीय राजा राम राजवाड़े के निर्देशानुसार आज ग्राम कुशहा मे आत्मनिर्भर भारत अभियान हर घर स्वदेशी घर घर स्वदेशी एवं जी एस टी सुधार के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। एवं दुकान व घर में जाकर स्वदेशी अपनाने के लिए प्रेरित किया गया साथ ही केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार योजनाओं एवं समस्याओं पर चर्चा किया गया। इस अवसर पर भाजपा मंडल महामंत्री सुरेश राजवाड़े,रिंकू,श्याम लाल,श्याम लाल राजवाड़े,रोशन,अखिलेश प्रजापति,गीतेश, धर्मपाल,धीर साय एवं सम्मानित अन्य

कार्यकर्ता बंधु एवं सम्मानित जन उपस्थित थे,खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हुए शामिल भारतीय जनता पार्टी मण्डल सोनहत मण्डल के पदाधिकारी युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के संस्था मेरा युवा भारत कोरिया द्वारा एक दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता मे शामिल हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा मंडल अध्यक्ष आदरणीय राजाराम राजवाड़े,भाजपा मंडल महामंत्री श्री सुरेश राजवाड़े,उप सरपंच राम भजन राजवाड़े, सुमित राजवाड़े आदरणीय श्री प्रकाश गरुण,नरेंद्र राजवाड़े के अलावा की पदाधिकारी उपस्थित रहे। शासन के योजनाओं की दी जानकारी मण्डल महामंत्री मानोज साहू के साथ सुरेश राजवाड़े सहित अन्य पदाधिकारी सोनहत मंडल में घूम कर शासन के जन कल्याण कारी योजनाओं की जानकारी दे रहे है।

8 साल में नही बनी 19 लाख की पुलिया,80 प्रतिशत पैसा आहरित...काम 50 प्रतिशत भी नही

गांव के विकास में बाधक बनी अधूरी पुलिया,ग्रामीणों में भारी आक्रोश,अधूरी पुलिया के कारण गांव में आवागमन में परेशानी,कोई सुध लेने वाला नही

- रात्रि में मरीजों को खाट पर मुख्य सड़क तक लेजाना बना मजबूरी
- मामला जिला मुख्यालय के बगल के पँचायत सलबा के ग्राम करिल धोवा का

-राजन पाण्डेय-
कोरिया,26 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

प्रदेश सरकार की ओर से नितप्रति दिन विकास के दावे किये जा रहे है। आगामी सप्ताह में राज्योत्सव मनाया जाना है लेकिन इन सबसे दूर छत्तीसगढ़ के कोरिया जिला मुख्यालय बैकुण्ठपुर के बगल के ग्राम पंचायत सलबा के ग्राम करिल धोवा का जहां विकास की बात करना बेमानी होगी। हालत है की राज्य बनने के बाद पांच सरकारें यहां पर मूलभूत सुविधा भी पहुचाने में असमर्थ रही है। उक्त ग्राम पंचायत मुख्यालय तक तो पक्की सड़क व सुविधाएं पहुचा दी गई लेकिन इस पंचायत के ग्राम करिलधोवा का बुरा हाल है यहाँ में लगभग 300 के करीब गरीब आदिवासी ग्रामीण विगत लम्बे समय से मूलभूत सुविधा सडक,पानी,चिकित्सा,शिक्षा के संचालित आधे अधूरे व्यवस्था से कुंठित होकर अपने नियति को कोसने लगे है। हालत है कि ग्राम में बेहद उपयोगी व्यवस्थाओ का लम्बे समय से आभाव बना हुआ है जिससे यह ग्राम प्रशासनिक उपेक्षा का दंश झेल रहा है। ग्राम करिल धोवा तक पहुंच हेतु ग्राम में सडक का सर्वथा अभाव रहा है जो क्षेत्र स्तर पर संचालित विकास की लम्बी गाथा को स्वमेव बयान करता नजर आ रहा है। हलांकि पँचायत में सडक पुल पुलिया से लेकर स्टापडैम आदि व्यापक तौर पर बनाऐ गये है। परन्तु गरीब आदिवासी परिवारों को पहुंच हेतु सुलभ मार्ग एवं नाले पर अधूरी पुलिया का नही बन पाने का ग्रामजनों ने खेद जताया है।

8 सालों में नही बन पाई पुलिया

इस सबन्ध में मिली जानकारी अनुसार 2017-18 में जिला खनिज न्यास मद से 19 लाख रुपए का पुलिया स्वीकृत हुई थी सूत्रों की माने तो स्वीकृत होने के बाद लगभग 30 से 40 फीसदी कार्य भूतपूर्व सरपंच के द्वारा कराया गया । सूत्र तो यह भी बताते हैं कि उक्त कार्य मे लगभग 80 प्रतिशत राशि का भुगतान भी हो चुका है,ऐसे में वर्तमान सरपँच और पँचायत प्रतिनिधि उक्त कार्य को आगे बढ़ाने में असमर्थता व्यक्त कर रहे हैं।

8 सालों में नही हुई कोई कार्यवाही

8 सालों में पुलिया के निर्माण नही हो सका ऐसे में जनपद के सीईओ और इंजीनियर क्या कर रहे थे यह जांच का विषय है। हद तो तब हो गई जब सूत्रों से यह जानकारी आई कि जितना कार्य हुआ है उससे दुगने का भुगतान कर दिया गया है ऐसे में बची हुई राशि से आगे का कार्य कैसे होगा यह विचारणीय प्रश्न है। जनपद और जिला स्तर पर होने वाली विकास कार्यो की समीक्षा बैठक में इस कार्य की समीक्षा क्यों नही हुई और यदि हुई तो कोई कदम क्यों नही उठाया गया यह भी अहम सवाल है।

पुलिया नहीं बनने के कारण वहां के लोगों के लिए रोड की सुविधा नहीं है...

ग्रामीण बताते हैं कि इस पुलिया के नही बनने से उन्हें सड़क की भारी परेशानी है बरसात में आवागमन की भारी दिक्कत होती है,ऐसी स्थिति में कोई बीमार पड़ गया या कोई अन्य आपात कालीन स्थिति निर्मित हुई तो कोई साधन उपलब्ध नही हो पाता जिससे ग्रामीणों में आक्रोश भी पनपने लगा है।

जल जीवन मिशन कागजो पर,ढोढ़ी का पानी पीना बनी मजबूरी

करिल धोवा के ग्रामीण ढोढ़ी के पानी से अपनी प्यास बुझाते हैं,ढोढ़ी का पानी पीना इनकी मजबूरी है,कहने को तो सरकार जल जीवन मिशन की योजना लाई है लेकिन अधिकांश गांव की तरह यहां भी नल है तो जल नही की स्थिति बनी हुई है,पीएचई विभाग द्वारा यहां अभी तक पानी प्रदान करने की दिशा में किये गए प्रयास अभी कागजी आकड़ो में ही फाइल की शोभा बढ़ा रहे हैं,ग्राम स्तर पर दो हैंड पम्प भी जिनमे लाल पानी की समस्या है इस कारण ढोढ़ी का पानी ग्रामीणों की मजबूरी बन गया है।

पगडण्डी से आवागमन

ग्राम स्तर पर सड़क नही होने से पगडंडी से आवागमन होता है,जो थोड़ी भी बारिश के बाद बेहद खराब हो जाता है, ग्रामीणों ने ग्राम स्तर पर पेय जल व्यवस्था सहित सड़क और पुलिया के निर्माण को पूर्ण करने की मांग किया है।

जनकपुर पुलिस की कार्यवाही:मध्यप्रदेश सीमा से आ रहे दो नशे के सौदागर कफ सिरप के साथ गिरफ्तार

-संवाददाता-
मनेंद्रगढ़/जनकपुर,26 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

जिले की जनकपुर पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो तस्करों को प्रतिबंधित नशीली कफ सिरप के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी मध्य प्रदेश की सीमा से मोटरसाइकिल पर प्रतिबंधित ओनरेक्स कफ सिरप की खेप ला रहे थे,तभी कैलाश मंदिर घाट के पास पुलिस की घेराबंदी में फंस गए। दोनों आरोपियों को एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। जनकपुर पुलिस ने मुखबिर की सटीक सूचना पर त्वरित एक्शन लिया। जनकपुर के रहने वाले दो शातिर नशे के सौदागरों को उस वक्त धर दबोचा गया,जब वे सीमावर्ती क्षेत्र से नशीली कफ सिरप लेकर गांव-गांव सप्लाई करने की फिराक में थे। पुलिस ने इनके पास से 8 नग प्रतिबंधित सिरप जब्त कर क्षेत्र में नशे के अवैध कारोबार की कमर तोड़ दी है।

ऑपरेशन की पूरी कहानी

थाना जनकपुर में सूचना मिली थी कि ग्राम भरतपुर निवासी अंकित शर्मा उर्फ अंकुश (25 वर्ष) और उसका साथी निशांत सिंह (25 वर्ष,निवासी जनकपुर) कोरेक्स सिरप की तस्करी करते हैं। जानकारी के अनुसार,दोनों मध्य प्रदेश सीमावर्ती क्षेत्र से बनास नदी होते हुए कैलाश मंदिर घाट के रास्ते देवगढ होते हुए भरतपुर आ रहे थे। सूचना की गंभीरता को देखते हुए एसपी एमसीबी द्वारा तत्काल त्वरित कार्यवाही करने के दिशा निर्देश दिए गए। आर.के. मिश्रा एस.डी.ओ.पी. भरतपुर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी जनकपुर ओ.पी. दुबे ने टीम गठित कर कैलाश मंदिर घाट डोंगरीटोला के पास घेरा बंदी की।

जेल भेजे गए दोनों आरोपी : मोटरसाइकिल में आ रहे संदिग्धों को रोककर पूछताछ की गई,जिसमें उन्होंने अपना नाम अंकित शर्मा उर्फ अंकुश और निशांत सिंह बताया। नियमानुसार,दोनों के कब्जे से नशीली विंग्स बायोटेक ओनरेक्स कफ सिरप की कुल 08 नग बोतलें जब्त की गईं। दोनों आरोपियों को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया,जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। कार्रवाई को सफल बनाने में स.उ.नि. दिनेश चौहान,प्र.आ संदीप बागीस,प्र.आर. संजय कुमार पाण्डेय,प्र. आर. मदन लाल राजवाडे,आर. सूर्यपाल सिंह और सहायक आरक्षक विष्णु यादव की भूमिका रही।

स्वास्थ्य मंत्री के गृह ग्राम की ऐतिहासिक उपलब्धि,स्वास्थ्य सेवाओं में नई मिसाल जिले के खड़गवां सीएचसी को मिला आईएसओ प्रमाणपत्र

-संवाददाता-
एमसीबी,26 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नई उपलब्धि दर्ज करते हुए सरगुजा संभाग का पहला आईएसओ प्रमाणित कोल्ड चेन प्वाइंट बनने का गौरव मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खड़गवां ने हासिल किया है। यह उपलब्धि स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के गृह ग्राम खड़गवां में उनके सतत प्रयासों और दिशा-निर्देशों के परिणाम स्वरूप संभव हुई है। वहीं इस सफलता के पीछे सीएमएचओ डॉ0 अविनाश खरे के कुशल मार्गदर्शन और स्वास्थ्य विभाग की समर्पित टीम की निरंतर मेहनत का अहम योगदान रहा। कोल्ड चेन प्वाइंट खड़गवां को गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली की आवश्यकताओं के पूर्ण अनुपालन में पाया गया है,जिसके चलते इसे आईएसओ सर्टिफिकेशन प्रदान किया गया है। यह प्रमाण-पत्र स्वास्थ्य सेवाओं में उत्कृष्ट प्रबंधन,पारदर्शिता और दक्षता का प्रतीक माना जा रहा है। इस प्रमाणन के साथ खड़गवां सीएचसी ने टीकों और रसद के सुरक्षित,वैज्ञानिक और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मानकों के अनुरूप भंडारण की नई मिसाल कायम की है। यहां सभी टीके सीएफसी मुक्त और डब्ल्यूएचओ प्रमाणित सीसीई तिथि वाले उपकरणों में अनुशंसित तापमान पर सुरक्षित रखे जाते हैं। आरआई टीकों और रसद की आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावी बनाने के लिए ईवीआईएन (ईवीआईएन) के माध्यम से ऑनलाइन वास्तविक समय में स्टॉक अपडेट किया जाता है,जिससे पारदर्शिता और दक्षता दोनों में वृद्धि हुई है। दिन में दो बार तापमान दर्ज कर टीकों की प्रभावकारिता सुनिश्चित की जाती है,वहीं वेब-आधारित डेटा लॉगर प्रणाली से उच्चस्तरीय सतत निगरानी भी की जाती है। टीकों की आपूर्ति में पेहले आये पेहल? गये और सबसे पहले समाप्ति,पहले पाओ दिशानिर्देशों का पालन किया जाता है जिससे शून्य अपव्यय सुनिश्चित हो रहा है। इसके अलावा आवश्यकतानुसार टीकाकरण शीशी मॉनिटर आधारित आपूर्ति प्रणाली भी लागू की गई है। टीकों के भंडारण हेतु एक अलग आईसीई पैक कंडीशनिंग क्षेत्र,निर्बाध बिजली आपूर्ति व्यवस्था,उचित रैंकिंग सिस्टम वाला सूखा भंडारण क्षेत्र,और प्रशिक्षित व दक्ष मानव संसाधन की उपलब्धता से यह केंद्र सरगुजा संभाग का मॉडल स्वास्थ्य संस्थान बन गया है। कोल्ड चेन प्वाइंट में एनसीसीएम आईएस सॉफ्टवेयर के माध्यम से उपकरणों का सटीक प्रबंधन किया जा रहा है,साथ ही टीकाकरण अपशिष्ट निपटान प्रणाली को भी वैज्ञानिक और पर्यावरण हितैषी तरीके से अपनाया गया है।

विधायक भईयालाल के प्रयासों से नर्सिंग कॉलेज भवन निर्माण को मिली 8 करोड़ 68 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति

-संवाददाता-
कोरिया,26 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

बैकुंठपुर विधायक भईयालाल राजवाडे की मांग के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की एक और महत्वपूर्ण घोषणा को राज्य सरकार ने मूर्त रूप दे दिया है। राज्य बजट में शामिल 9 नवीन नर्सिंग महाविद्यालयों के भवन निर्माण कार्य के लिए 78 करोड़ 15 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी कर दी गई है। विधायक भईयालाल राजवाडे की पहल के बाद बैकुण्ठपुर में भी नया नर्सिंग कॉलेज स्थापित किया जाएगा बैकुण्ठपुर में भवन निर्माण के लिए 8 करोड़ 68 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि हमारा उदेश्य है कि प्रदेश के हर युवा को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य शिक्षा मिले और हर जिले में आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए कुशल मानव संसाधन तैयार हो।

उन्होंने कहा कि 9 नए नर्सिंग कॉलेजों के भवन निर्माण की स्वीकृति प्रदेश के स्वस्थ्य शिक्षा क्षेत्र में एक नया अध्याय जोड़ेगी स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के दूरदर्शी नेतृत्व में राज्य सरकार ने स्वास्थ्य शिक्षा को नई दिशा देने वाला ऐतिहासिक निर्णय लिया है। इससे प्रदेश के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण नर्सिंग शिक्षा के साथ रोजगार और आत्मनिर्भरता के बेहतर अवसर मिलेंगे। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी क्षेत्रों को प्राथमिकता दे रही है।

रायसोनी मेमोरियल सरगुजा संभाग स्तरीय रेपिड शतरंज प्रतियोगिता, विधायक भईयालाल राजवाड़े के मुख्य आतिथ्य में गरिमामय समापन

ओपन वर्ग में सिद्धार्थ बने ओपन आल चैंपियन,यीज्नांश,फरहीन,अंशुमन,नव्या,अक्षत,अंशा,अहान ने जीता अपने अपने वर्ग का खिताब

-संवाददाता-
बैकुंठपुर,26 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

जी एच आर राय सोनी स्पोर्ट्स एन्ड कल्चरल फाउंडेशन एवं कल्पना प्रकाश वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित,छत्तीसगढ़ स्टेट चेस एसोसिएशन से मान्यता प्राप्त कोरिया ज़िला शतरंज संघ के तत्वावधान में 24 अक्टूबर को एक दिवसीय सरगुजा संभाग स्तरीय रैपिड शतरंज प्रतियोगिता का भव्य आयोजन बैकुण्ठपुर के मानस भवन में किया गया उक्त स्पर्धा में 51 हज़ार के नगद इनाम के अलावा मेडल शील्ड और ट्रॉफी वितरित किया गया,पुरस्कार वितरण समापन समारोह, बैकुण्ठपुर विधानसभा के लोकप्रिय विधायक भईयालाल राजवाड़े के मुख्य आतिथ्य तथा नगरपालिका की अध्यक्ष श्रीमती नविता शिवहरे के अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ,इस अवसर पर छत्तीसगढ़ स्टेट चेस एसोसिएशन के जॉइंट सेक्रेटरी सरोज वैष्णव के साथ कोरिया ज़िला शतरंज संघ के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह,आईसेक्ट कालेज के प्रबंधक नरेश सोनी ,शगुफ्ता खानम मंच पर उपस्थित रहे,अपने उदबोधन में मुख्य अतिथि महोदय ने इस आयोजन की सराहना करते हुए भविष्य में कोरिया ज़िला शतरंज संघ को हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया और समस्त खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया । कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे नगर पालिका अध्यक्ष ने आयोजन की भूरी भूरी प्रसंशा करते हुए भविष्य में ऐसे आयोजन के लिए सहयोग देने का भरोसा दिया,स्पर्धा में सरगुजा,बलरामपुर,कोरिया,मनेंद्रगढ़,सूरजपुर एवं जशपुर जिले के कुल 117 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जिसमे 19 खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय फिडे रेटिंग होल्डर थे,अंतर्राष्ट्रीय स्विस लीग पद्धति से उक्त स्पर्धा 8 चक्रो में सम्पन्न हुई, इस स्पर्धा में 6 वर्ष से लेकर 70 वर्ष आयु समूह के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। कोरिया ज़िला शतरंज के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह ने बताया कि हमारा संघ पिछले दो वर्षों में लगभग 1 दर्जन से ज़्यादा सरगुजा संभाग स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित कर चुका है,हमारी सक्रियता ज़िले में लगातार बनी हुई है ,उन्होंने कहा कि प्रदेश शतरंज संघ के महासचिव विनोद राठी के कुशल मार्गदर्शन एवं दिशा निर्देशन में हम लगातार इस क्षेत्र में प्रतियोगितायें आयोजित कर पा रहे हैं। उन्होंने बताया कि आने वाले फरवरी माह में बैकुण्ठपुर में अंतर्राष्ट्रीय फिडे रेटिंग शतरंज प्रतियोगिता के आयोजन के लिए प्रयास कर रहे है । अंत मे मुख्य अतिथि महोदय के करकमलों से विजेता खिलाड़ियों को नगद पुरस्कार,मेडल ट्राफी, शील्ड देकर सम्मानित किया गया, स्पर्धा के अंतिम परिणाम इस प्रकार रहे।

टूर्नामेंट को सफल बनाने वाले : टूर्नामेंट को सफल करने में चीफ ऑर्बिटर शेष रतन जायसवाल के साथ अंजुम, रविशंकर,योगेंद्र गुप्ता,बी मनियन,सुनीता राजवाड़े कोरिया शतरंज संघ के टूर्नामेंट डायरेक्टर अब्दुल शमीम,शगुफ्ता खानम, आशीष गुप्ता, संवर्त कुमार रूप,आनंद कुमार तिवारी,असगर इमाम,परवेज अंसारी की सक्रिय भूमिका रही।

सूर्योपासना का महापर्व
छठपर्व
की
हार्दिक शुभकामनाएं...
प्रेरणा स्त्रोत
माई श्रीमती तेतरी देवी
हम सब ने सरगुजा संभाग मुख्यालय अंबिकापुर के उत्तरी हिस्से में बहने वाली बांकी नदी तट शंकर घाट में छठ महोत्सव का आयोजन मां महामाया छठ सेवा समिति के माध्यम से दो दशक पूर्व शुरु किया था। चंद लोगों के साथ शुरु किया गया यह महापर्व, अब महोत्सव का रूप ले चुका है। सूर्योपासना के महापर्व (छठ) पर यहां हजारों की संख्या में श्रद्धालु, मां महामाया छठ सेवा समिति की व्यवस्थाओं के बीच सूर्य उपासना करते रहे हैं। हमेशा पुलिस और प्रशासन का भी सहयोग मिलता रहा है। इस बार भी पुलिस, प्रशासन और शहर के सेवाभावी लोगों के सहयोग से मां महामाया छठ सेवा समिति ने शंकर घाट में व्रती श्रद्धालुओं के साथ यहां पहुंचने वाले समाज के सभी वर्ग के लोगों की सुविधाओं का ख्याल रखा है।हम बेहतर से बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने प्रयासरत है।आप सभी के सहयोग के हम आभारी है। पुलिस और प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन कर हम सूर्यदेव की आराधना का पर्व उल्लास के साथ मना रहे हैं, इन्हीं मंगलकामनाओं के साथ....
आपका अपना विजय सोनी मां महामाया छठ सेवा समिति शंकरघाट अंबिकापुर
जय छठी मईया की ... जय सूर्यदेव.....
विजय सोनी
दीपाली सोनी
कनिष्का सोनी
कार्तिकेय विजय सोनी
दिक्षा अग्रवाल
हर्ष (सीए) - श्रेया (सीए)
शंकर प्रजापति - गीता प्रजापति
शैलू सोनी - सीमा सोनी
अनंगपाल दीक्षित - अर्चना दीक्षित
असीम सेनगुप्ता - माधुरी सेनगुप्ता
अपूर्व सिंह - मनीषा सिंह
विमलेश त्रिपाठी - मयंक त्रिपाठी
अभिषेक सोनी - आरजू सोनी
सौरभ दुबे
वैभव दुबे
प्रत्युश सिंह
प्रणव राय
विशेश्वर सोनी
मुकुंद सोनी
सुनील सोनी
राकेश सोनी
राजेश स्वर्णकार
सूर्यदेव दूबे
मोनिष स्वर्णकार
निमेश सोनी
राकेश सोनी
अभिषेक सोनी
शांतनु
शिवेश कटेलिहा
सूटन सिंह
भानू सिंह
शिवम सोनी
यशवर्धन सिंह
हर्ष सिंह
धनराज
योगेन्द्र
नवीन
राज सोनी
कुणाल
करण
शशांक
आदित्य गौतम
आदित्य प्रताप सिंह
अंगद
पप्पू ठाकुर
बबलू कुशवाहा
सरस्वती देवी
किरण सोनी
सोभा सोनी
नीलम सोनी
सीमा सोनी
अनुपमा सोनी
उर्मिला सोनी
रूबी सोनी
डॉली सोनी
मोनू सोनी
श्वेता सोनी
भारती
आयुषी
गुनगुन
ओमी
आर्यन
अंशु
वंश
रूद्राक्ष
दक्षिता
सान्वी
कुहू
नन्नू
आराध्या
शगुन
बुढऊ
शिवाय
वैष्णवी
शर्विल सोनी
राकेश गुप्ता - रितु गुप्ता
वागा-न्यू साउथ वेल्स, आस्ट्रेलिया
संजीव सिन्हा - जया सिन्हा
सिम्फ़नी हाईट्स, सिंगापुर
सुखविंदर सिंह - नीलू न्यू जर्सी, यूएसए
रूबेश गुप्ता - रश्मि गुप्ता
संजय अग्रवाल - सुमन अग्रवाल
डॉ. सौरभ गोयल - डॉ. निधि गोयल
बामा राय - मुनमुन राय
कलकत्ता
गुलमोहर | मायापुर | अम्बिकापुर

छत्तीसगढ़ के कांकेर में 21 नक्सलियों ने 18 ऑटोमैटिक हथियारों के साथ किया समर्पण

कांकेर,26 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में नक्सली संगठन के डीवीसीएम सेक्रेटरी मुकेश सहित 21 नक्सलियों ने रविवार को हिंसा का रास्ता छोड़कर हथियारों के साथ समर्पण कर दिया। इनमें 8पुरुष और 13महिला नक्सली हैं। इन 21कैडरों में 4डीवीसीएम,9एसीएम और 8 पार्टी सदस्य कैडर के नक्सली शामिल हैं। यह सभी नॉर्थ सब जोनल ब्यूरो अंतर्गत केशकाल डिवीजन,कुएमारी,किसकोडो एरिया कमेटी में सक्रिय थे। इन 21 कैडरों ने 3 एके-47,4 एसएलआर,2 इंसास,6 नग 303,2नग सिंगल शॉट और 1बीजीएल लॉन्चर जैसे कुल 18ऑटोमैटिक हथियार जमा किये हैं। दरअसल 7अक्टूबर को नक्सलियों के माड़ डिवीजन की तरफ से एक पर्चा जारी हुआ था,जिसमें कहा गया था कि 15अक्टूबर को नक्सली हथियार डालेंगे। इसके बाद 17अक्टूबर को आधिकारिक रूप से सीसीएम रूपेश सहित कुल 210नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर जगदलपुर में डीजीपी, एडीजीपी,बस्तर आईजी के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया था। इसके बाद छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और गृहमंत्री विजय शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि केशकाल इलाके के कुछ नक्सलियों ने आत्मसमर्पण नहीं किया है, लेकिन जल्द ही वे भी आत्मसमर्पण कर लेंगे। पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज सुंदरराज पाटलिंगम ने कहा कि आज इन 21 नक्सलियों के आत्मसमर्पण करने के बाद माड़ डिवीजन,इंद्रावती एरिया कमेटी, उत्तर बस्तर डिवीजन लगभग पूरी तरह से नक्सल मुक्त हो गया है।

बस्तर और गढ़चिरौली में 292 नक्सलियों ने सरेंडर किया...

पिछले 10 दिन में बस्तर में ही 231 नक्सलियों ने हथियार के साथ हिंसा का रास्ता छोड़ दिया है। पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में नक्सली लीडर भूपति समेत 61 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ा और हथियार डाल दिए। इस तरह पिछले 15 दिनों के अंदर इन दोनों जगहों पर कुल 292 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है।

डेढ़ साल में मारे गए 400 नक्सली,इनमें बस्तर के ट्राइबल्स ज्यादा

तेलंगाना से बस्तर आए नक्सलियों ने यहां के आदिवासियों को हथियार पकड़वाए और खुद के लिए सुरक्षा कवच तैयार किया। अब पुलिस फोर्स के साथ फ्रंट लाइन में बस्तर के ही नक्सली लड़ रहे और मारे जा रहे हैं। तेलुगु कैडर के नक्सली बचकर निकल रहे हैं।

नक्सलियों के हथियार त्यागकर पुनर्वास पर उपमुख्यमंत्री ने जताया हर्ष

बस्तर की जनता के मनोअनुकूल निर्णय लेने वाले सभी का है स्वागतः उपमुख्यमंत्री शर्मा

रायपुर,26 अक्टूबर 2025। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आज अपने निवास कार्यालय में पत्रकारों से विभिन्न विषयों पर चर्चा की। जिसमें उन्होंने बताया कि बस्तर रेंज में आने वाले केशकल डिवीजन (नॉर्थ सब ज़ोनल ब्यूरो) के कुंएमारी एवं किसकोडो एरिया कमेटी से संबंधित 21 सशस्त्र नक्सलियों ने आज हथियार और हिंसा का मार्ग छोड़कर सम्मानपूर्वक पुनर्वास कर मुख्यधारा में जुड़ने का मार्ग चुना है,जो बहुत हर्ष का विषय है। जिनमें डिवीजन कमेटी सेक्रेटरी मुकेश भी शामिल हैं। पुनर्वास करने वाले 21 माओवादी कैडर में 13 महिला कैडर और 08 पुरुष कैडर शामिल हैं। इन माओवादी कैडरों द्वारा 18 हथियारों को समर्पित किया गया है,जिसमें 03 एके-47 रायफल,04 एसएलआर रायफल,02 इंसास रायफल, 06 संख्या में 303 रायफल,02 सिंगल शॉट रायफल और 01 बीजीएल हथियार शामिल हैं। पुनर्वास करने वालों में 04 डीवीसीएम (डिवीजन वाइस कमेटी मेंबर),09 एसीएम (एरिया कमेटी मेंबर) और 08 पार्टी सदस्य शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी,केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में बनाई गई रणनीति एवं संवेदनशील पुर्नवास नीति का परिणाम है कि हिंसा का मार्ग छोड़कर मुख्यधारा में जुड़ रहे हैं, पूर्व में 210 माओवादियों ने पुनर्वास का मार्ग चुना था और लगातार आज 21 ने शस्त्र त्यागे हैं। सम्मानपूर्वक शस्त्र त्यागकर पुनर्वास करने वालों का शासन लाल कालीन बिछाकर स्वागत करने को तैयार है,पर इसके साथ जो हिंसा का मार्ग नहीं त्यागते हैं उनके लिए नक्सल ऑपरेशन लगातार जारी रहेंगे। बस्तर के लाल आतंक से मुक्त कराना हमारी प्राथमिकता है। बस्तर की जनता के मनोअनुकूल निर्णय लेने वाले इन सभी का स्वागत है। उन्होंने कहा कि अब पशिचम्ब बस्तर एवं उत्तर बस्तर में स्थिति साफ हो रही है और लोगों को लाल आतंक से मुक्ति मिल गयी है दक्षिण बस्तर में लगातार प्रयास किये जा रहे हैं ताकि सभी का सम्मानपूर्वक पुनर्वास करवाया जाए और वे शस्त्र त्यागकर मुख्यधारा में शामिल हों और समाज के निर्माण में लोकतांत्रिक तरीके से अपना योगदान दें।

सोता रहा सिस्टम,सड़क सुधारने ग्रामीण आए आगे

अफसरों की निष्क्रियता को मालगांव की जनता ने मारा तमाचा,श्रमदान से खुद दुरुस्त की प्रधानमंत्री ग्राम सड़क

जगदलपुर,26 अक्टूबर 2025। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्मित बकावंड ब्लॉक की मालगांव मेन रोड लंबे समय से बदहाल थी। जगह-जगह बने गड्ढों के कारण राहगीरों को भारी परेशानी हो रही थी, किंतु संबंधित अधिकारी और विभाग चुप्पी साधे बैठे रहे। अंततः पूर्व जनपद सदस्य भोलानाथ नाग के नेतृत्व में ग्रामीणों और युवाओं ने आगे बढ़कर सड़क के गड्ढों को स्वयं भरने का कार्य किया। यह कार्य पूर्णतः सामूहिक श्रमदान के माध्यम से किया गया। ग्रामीणों ने न केवल मेहनत की,बल्कि आवश्यक सामग्री का भी योगदान दिया। इस श्रमदान अभियान में लक्ष्मी नारायण सेठिया,लछिम कश्यप,देवेंद्र सेठिया,चरण सेठिया,खेमेश्वर आचार्य,महेंद्र कुमार,दशरथ सेठिया,तबीर सेठिया और गौतम मलिक सहित कई ग्रामीण सक्रिय रूप से शामिल रहे। भोलानाथ नाग ने कहा कि जब अधिकारी निष्क्रिय हो जाते हैं,तो जनता को ही आगे आना पड़ता है। हमने मिलकर यह कार्य किया ताकि लोगों को राहत मिले और दुर्घटनाओं से बचाव हो सके। ग्रामीणों ने बताया कि इस प्रयास से सड़क की स्थिति में काफी सुधार आया है और आवागमन सुगम हो गया है।

प्लास्टिक कचरे के बदले भोजन देने वाली अनोखी पहल...'गार्बेज कैफे' को देशभर में मिली पहचान

'मन की बात' में छत्तीसगढ़ के नवाचारों और माओवाद उन्मूलन के संकल्प का उल्लेख प्रदेशवासियों के लिए गौरव की बात:सीएम साय

प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ के माओवाद प्रभावित इलाके में देशी श्वान की उपलब्धि का किया जिक्र

रायपुर,26 अक्टूबर 2025। मन की बात' कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के नवाचारों और माओवाद उन्मूलन के संकल्प का उल्लेख होना प्रदेशवासियों के लिए गौरव की बात है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अंबिकापुर के गार्बेज कैफे' और भारतीय नस्ल के श्वानों की उपलब्धि का विशेष उल्लेख किए जाने पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इसे पूरे प्रदेश के लिए सम्मान बताया। मुख्यमंत्री ने आज राजधानी रायपुर के शांति नगर में 'मन की बात' के 127 वें संस्करण का श्रवण किया।मुख्यमंत्री साय ने छठ पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 'मन की बात' देशभर में हो रहे नवाचारी,प्रेरणादायी और जनहितकारी कार्यों को जोडने वाला एक विशेष मंच है, जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने वालों प्रयासों को राष्ट्रीय पहचान दिलाता है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ का उल्लेख होना प्रत्येक नागरिक के लिए गर्व का विषय हैमुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंबिकापुर नगर निगम की अनूठी पहल गार्बेज कैफे' की सराहना की,जिसने प्लास्टिक मुक्त शहर की दिशा में एक मिसाल कायम की है। यहाँ प्लास्टिक कचरा देने वालों को भोजन उपलब्ध कराया जाता है...यह पहल स्वच्छता, पुनर्चक्रण और सामाजिक संवेदना का अद्भुत उदाहरण बन चुकी है। अम्बिकापुर में शहर से प्लास्टिक कचरा साफ करने के लिए एक अनोखी पहल की गई है। अम्बिकापुर में गार्बेज कैफे चलाए जा रहे हैं। ये ऐसे कैफे हैं,जहाँ प्लास्टिक कचरा लेकर जाने पर भरपेट खाना खिलाया जाता है। अगर कोई व्यक्ति एक किलो प्लास्टिक लेकर जाए उसे दोपहर या रात का खाना मिलता है और कोई आधा किलो प्लास्टिक ले जाए तो नाश्ता मिल जाता है। ये कैफे अम्बिकापुर म्युनिसिपल कॉरपोरेशन चलाता है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने त्योहारों की बढ़ी रौनक,सामाजिक एकता के प्रतीक छठ पर्व और नए आत्मविश्वास से आगे बढ़ते भारत की भावना का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि माओवादी गतिविधियों के सिमटते प्रभाव पर गर्व का अनुभव होता है। डबल इंजन की सरकार के मजबूत संकल्प से देश में शांति और सुरक्षा की दिशा में उल्लेखनीय परिणाम मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि नियद नेल्ला नार योजना के माध्यम से अब मूलभूत सुविधाएं सुदूर गाँवों तक पहुँच रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने हर भारतीय को गर्व से भर दिया है। इस बार उन इलाकों में भी खुशियों के दीप जले हैं,जहाँ कभी माओवादी आतंक का अंधेरा छाया रहता था। उन्होंने कहा कि लोग उस माओवादी आतंक का जड़ से खात्मा चाहते हैं जिसने उनके बच्चों के भविष्य को संकट में डाल दिया था।मुख्यमंत्री साय ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री ने सुरक्षा एजेंसियों में भारतीय नस्ल के श्वानों को शामिल किए जाने के निर्णय की भी सराहना की।

राज्योत्सव से पहले छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति खंडित

सीएम बोले...आरोपियों को बख्शा नहीं जाएगा...मचा सियासी घमासान

रायपुर,26 अक्टूबर 2025 । राज्योत्सव से ठीक पहले राजधानी रायपुर में बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। तेलीबांधा थाना क्षेत्र के वीआईपी चौक स्थित राम मंदिर के पास लगी छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा को अज्ञात असामाजिक तत्वों ने देर रात खंडित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में तनाव फैल गया और लोग गुस्से में सड़क पर उतर आए। प्रतिमा के सिर टूटे होने की खबर फैलते ही छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए। उन्होंने इस घटना को छत्तीसगढ़ की अस्मिता और संस्कृति पर हमला बताते हुए जोरदार नारेबाजी की और वीआईपी चौक पर विरोध-प्रदर्शन किया। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। सिविल लाइन सीएसपी रमाकांत साहू ने बताया कि पुलिस ने स्वतःसंज्ञान लेकर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आईटीएमएस के जरिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके।

सीएम साय बोले...आरोपियों को बख्शा नहीं जाएगा

वहीं,इस घटना को लेकर सियासी बयानबाजी भी तेज हो गई है। पक्ष और विपक्ष दोनों ही दलों के नेताओं ने घटना की निंदा की है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। घटना पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत निंदनीय कृत्य है और दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा को तोड़ना जनता का अपमान...भूपेश बघेल

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की स्थापना की रजत जयंती पर छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति तोड़ दी गई। राजधानी रायपुर के VIP रोड स्थित छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा को तोड़ा जाना जनता का अपमान है। हर एक छत्तीसगढ़िया बेहद गुस्से में है. यह पूरी तरह अस्वीकार्य है। कहीं यह शासन-प्रशासन के कार्यक्रमों से छत्तीसगढ़ महतारी की तस्वीरों को हटाने वाली भाजपा सरकार की करतूत तो नहीं? भाजपा समझ ले कि अगर जनआक्रोश को अनदेखा किया,तो अच्छा नहीं होगा।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)